



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 10, 1979 (भाद्र 21, 1900)

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 10, 1979 (MAGHA 21, 1900)

इस भाग दे भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पृष्ठ 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और सशालेषापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० पी० /1867-प्रगा० I—इस कार्यालय की संघर्षक अधिसूचना दिनांक 29-1-77 के अनुक्रम में छ०० प्रगमन० कपूर को संघ लोक सेवा आयोग (स्पाफ) विनियम 1958 के विनियम 4 के परन्तु दो जारी के अनुतार पढ़ती जावन्दर 1978 के पूर्वाल्क में 6 माह की अंतिमिति अवधि के लिए, अवकाश आगामी आदेश तक, जो भी पढ़ने हों, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सविव के पद पर नियुक्त किया गया है।

प्र० ० बांधन्दन

अवर सचिव

जाति अधिकारी

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० मु० विवाह

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूर्ग

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० प०-19020/1/79-प्रगामन-5—राष्ट्रगांत आनंदप्रगाम से श्री आर० सी० शा, मार्गीय पुलिस सेवा (1961—मध्यप्रदेश) को दिनांक 9-1-1979 के अपराह्न से अगले अंदेश —45601/78

तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० का०-3/70-प्रगामन-5—केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री के० के० पुरी भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) ने दिनांक 10 जनवरी, 1979 के प्रारंभ सुनिता स्थापना का कार्यभार त्वाग दिया और 120 दिन की अंतिम छुट्टी पर चले गए। छुट्टी समाप्त हो जाने पर पद-स्थापना हेतु वह राज्य सरकार को रिपोर्ट करेंगे।

प्र० क० का० शा
उप-निदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 19789

सं० प०-6/71 प्रगा०-5—शाह जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री प० डॉड्डरू० डेंगवे द्वारा, पुलिस उप-मधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ने दिनांक 2-1-79 के पूर्वाल्क में पुलिस उप-मधीक्षक के पद पर वा कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० प०-8/71-प्रगामन-5—मानति जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एच० पी० सिह०, पुलिस, उप-

श्री बस्ता ने सराजरों सेवा में 7/3/52 से प्रवेश किया और उनकी जन्म तिथि 15/9/1928 है।

(हम्म) अरठनीय
व० उप-महालेखकार(प्र०)

कार्यालय महालेखकार उत्तर प्रदेश-प्रथम
इलाहाबाद, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० प्रशासन/ 11/144/XV/250—महालेखकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने नेतृत्वात् अनुभाग अधिकारियों को उन्हें नामों के आगे प्रांकित तिथि से आगामी अदेश पर्यन्त इस लिए राय में स्थानापन तेज़ियत दियुक्त किया है।

1. गोकर्ण नाथ दिक्षित	31-7-78 पूर्वाह्नि
2. भगवान तिह चौहान	16-10-78 पूर्वाह्नि
3. विरेन्द्र कुमार शीरास्तवा	11-12-78 पूर्वाह्नि
4. जमुना प्रसाद कुरील	16-12-78 पूर्वाह्नि

उ० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप महालेखकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखकार प्रथम, मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० स्थाना-1/397—महानेबा ग्वार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने श्री पी० के० तिशरों स्थाई अनुभाग अधिकारी (02/243) को स्थानापन क्षमता में लेबा अविलारी के पद पर 30-12-78 पूर्वाह्नि से वेतननाम स्थेये 840-40-1000-३० अ०-40-1200 म पदोन्नत किया है।

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखकार (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय
(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०—दिसम्बर, 1978 में ओट्योगिन थामियों का अविल भारतीय उपभासा मूल्य सूचकान्व (आवार वर्ष 1960-100) नवम्बर, 1978 के स्तर से पांच अ० घट कर 335 (तीन और पैस्तात) परस्थिर रहा है। 1 दिसम्बर, 1978 माह का सूचकाक आवार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 407 (चार सौ सात) आता है।

आनन्द स्वरूप, भ० रद्द० ज
संयुक्त निदंशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एक० मुख्यालय सिविल सेवा
महानिदेशालय, अ०डनैश फैक्टरियां

कलहत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 1/73/र०/इ०-I—वर्वक्षमि दिव्युति ग्राम्य प्रातःर, श्री सुधांशु कुमार दत्ता, सौलिल एवं स्वायी सहयोग, अस्वायी ए०

एस० ओ० दिनांक 31-12-1978 (आराह्त) से सवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,
ए डी जी ओ एक/प्रशासन
कृष्ण महानिदेशालय आर्डनैश फैक्टरियां

वाणिज्य, नियरिय आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रलय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य दिव्युति अन्तर्नियन्त्रण का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1979

आरा० ए० दोरो० ग्वार नियंत्रण (स्थापन)

सं० 1/17/78-नगा० (रज०)/490—मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रण इत्यादा वर्ष ६० एक० दुप्रे नियंत्रण (रज० परिवित ग्रुप 'ब' को उद्योगिता, आरा० नियंत्रण, नई दिल्ली के कार्यालय में १ दिसम्बर, 1978 द्वारा नियंत्रण प्राप्त करा है।

राजेन्द्र दिल्ली, उन मुख्य नियंत्रक

उद्योग दंडालय

(श्रीप्रोगी० विभाग विभाग)

विभाग अधिकारी (त्रु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 12(155)/61-प्रगामा (रजातित) — रप्ताति, एट्टम्हुर एवं तिश्वरा उ० का नियंत्रण एट्टम्हुर के नियंत्रण, ग्रेड 1 (ग्रामी०) श्री प्राप्त० नगा० नियंत्रण द्वारा को दिनांक 1 जानवरी, 1979 (पूर्वाह्नि) से एक वर्ष की प्रसवित रुपियां विभास अनुमति (त्रु उपयोग) का दार्शनिय, नई दिल्ली में नियंत्रण, ग्रेड 1 (इंजी० नियंत्रण उद्योग सेवा को उद्योग) के द्वा दें प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री लक्ष्मी ग्राम्यान्वया ने दिनांक 8 दिसम्बर, 1978 (आराह्त) ; एट्टम्हुर एवं तिश्वरा उत्तान के द्वारा नियंत्रण, एट्टम्हुर में नियंत्रण, ग्रेड 1 (ग्रामी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 1 जानवरी, 1979 (पूर्वाह्नि) से विभास अनुमति (त्रु उद्योग) का दार्शनिय, नई दिल्ली में नियंत्रण, ग्रेड 1 (इंजी० नियंत्रण उद्योग सेवा को उद्योग) पद का कार्यभार संभार लिया।

सं० 12(538)/66-प्रगामन (रजातित) — गैर-महानगरीय क्षेत्रों में एकीश्वर औद्योगिक उन संवेदित आर्थिक और सामाजिक परिवेद्य (एकिया एवं दोषिका), वैदिक की परियोजना हेतु भारतीय विशेषज्ञ के स्थान में दो महीने के लिये प्रति नियुक्ति पर चले जाते के लागत श्री २०० रु० पाँच में दिनांक ५ जानवरी, 1979 (आराह्त) से विभास अनुमति (त्रु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (राज्यवंश) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए-19018 (18)/73-प्रशासन (शाज़िवित)---
राष्ट्रपति, दिनांक 4 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से विस्तार केन्द्र, पांडिचेरी के सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (वैद्युत)---श्री के० दुरायस्थामी का सरकारी सेवा से त्याग पर श्रीकार करते हैं।

2. इस कार्यालय की दिनांक 19 दिसम्बर, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना इसके हारा निरस्त की जाती है।

मदेन्द्र गुप्त, उपि निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० प्र० 1/1 (1130)---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतत् हारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री के० वी० शिवरामकृष्णन को दिनांक 26-12-1978 के पूर्वाह्न से निदेशक पूर्ति तथा निपटान, भद्राम के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

मूर्य प्रकाश, उपि निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्कोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ई० II (7)---इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई० II (7) में :

श्रेणी 2 नाइट्रोट मिश्रण के अधीन

(i) प्रविष्टि "मोनोएथानोल अमिन ब्रेस्ड स्नरी एक्स-प्लोजिब" में "30-6-1978" अंकों के स्थान पर "31-3-1980" अंक प्रति स्थापित किये जायेंगे ;

और

(ii) प्रविष्टि "ट्रायएथानोल अमिन ब्रेस्ड स्नरी एक्स-प्लोजिब" में "30-6-1978" अंकों के स्थान पर "31-3-1980" अंक प्रति स्थापित किये जायेंगे ।

हंगुव नर्सिंह मूर्ति, मुख्य विस्कोटक नियंत्रक

डस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक जनवरी 1979

सं० ए-19011/(239)/78-स्था० ए---राष्ट्रपति श्री अलोक नासु को दिनांक 14 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान व्यूरो में सहायक खान नियंत्रक

के पद पर ₹० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतन पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19011/(249)/78-स्था० ए---राष्ट्रपति, श्री अलोक नासु भद्राम, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 7 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान व्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए-19011/250/78-स्था० ए---राष्ट्रपति, श्री विजय बम्बूंत राव देशमुख स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 7 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान व्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एम० बालामोपाल, कार्यालय अध्यक्ष
हते नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० गो-5456/707---1. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० गो-5447/707 तारीख 21 दिसम्बर 1978 में अधिसूचना श्री एम० एस० रावत सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड के सामने दिए गए कानूनों "भूनिट/कार्यालय और तारीख से" में संशोधित किया जाता है। इन प्रविष्टियों में "सं० 26 (फोटो) पार्टी (परिचयी स०) देहरादून एवं 13 नवम्बर 1978 (पूर्वाह्न)" के बजाए कमशः सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ०स०) देहरादून एवं 7 नवम्बर 1978 (पूर्वाह्न) पढ़ा जाए।

2. निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक के पद (मुख 'बो' पद) पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णकाल से तदर्श अनन्तिम ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्रम नाम एवं पद	सूनिट/कार्यालय	तारीख से
सं०	3	4
1	2	
1. श्री हर्षोग्नाद, सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 65 (ट००सी० एम०) पार्टी (पूर्वाह्न) (सर्वेक्षण हवाई) नई दिल्ली	28-10-78
2. श्री गोपा राम, सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 28 पार्टी (परिचयी स०) देहरादून	13-11-78

(1)	(2)	(3)	(4)
3. श्री बांसेंद्र तिहर राजत सं० १ आरक्षण कार्यालय	7-2-78		
ड्राफ्टसमीन,	(माननिह प्रकाशन)	(पूर्वाह्न)	
हिंदीजन १	देहरादून		
सेलेक्शन ग्रेड			
१. श्री मदन लाल शर्मा	सं० १ पार्टी (ड०म०)	21-12-78	
सर्वेक्षण सहायक	देहरादून	(पूर्वाह्न)	
मेलेक्शन ग्रेड			
५. श्री केशवराम	सं० ३३ पार्टी (ड०म०)	22-12-78	
सर्वेक्षण सहायक	देहरादून	(पूर्वाह्न)	
सेलेक्शन ग्रेड			
	क०० प०८० खोसला		
	मेजर-जनरल		
	भारत के महासर्वेक्षक		

राष्ट्रीय अभियानगार

नई दिल्ली-१, दिनांक 23 जनवरी, 1979

सं० एफ० ११९/७८-प०-१—श्री बी० एस० कालडा, तदर्थ आधार पर राजनायन प्रशासन अधिकारी १ जून, १९७८ से आगमो आदेशों तक नियमित स्थायी आधार मर प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाना है।

हस्ताक्षर अवधारी
अभियेष निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० प० १२०२६/१/७८-स्टाफ-५—महानिदेशक, आकाशवाणी, एनडीआर थो शार० क० शर्मा, स्थानायन रूप से कार्य कर रहे वारियर प्रगति अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली को, तदर्थ आधार पर, ६ जनवरी, १९७९ से, आगले आदेश होने तक, आकाशवाणी, नई दिल्ली में लेहा निराशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० बी० रोपाद्री
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

मूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-२६, दिनांक 12 जनवरी, 1979

सं० ए० १२०२६/१/७७-सिबन्दी १—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्देशक ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानायन सहायक समाचार चित्र अधिकारी श्री एस० शार० नायडू को दिनांक

28-12-78 के आगाहा में तदर्थ आधार पर ठालायाग्राहक के पद पर नियुक्त किया है।

एस० चन्द्रन नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

बम्बई-२६, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० ५/६/६२ सिबन्दी १ (भाग)---फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानायन अधिकारी के० स० विकवन्दारी को दिनांक १-१२-१९७८ के पूर्वाह्न में आगे आदेश तक समान कार्यालयों में सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया।

एस० क० राय,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्याता

विज्ञापन श्रीर दृष्टि प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० ए-१२०२६/२०/७८-स्थापना—विज्ञापन श्रीर दृष्टि प्रचार निदेशक, श्री कृष्ण दास, स्थायी सहायक को १ जनवरी, १९७९ से आगले आदेश तक, इस निदेशालय में सुवरवाइजर के पद पर डिपूटेशन नियमों के अनुसार नियुक्त करते हैं।

एर० देवासर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन श्रीर दृष्टि प्रचार निदेशक

कृषि एवं सिवाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० ए० १९०२५/११२/७८-प० ३—श्री चन्द्र मोहन गिरधर, बरिष्ठ निराशक को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक ३-१-७८ (अपराह्न) से ३१-३-७९ तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानायन रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग १) पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 19 जनवरी, 1979

सं० ए० १९०२३/३५/७८-प० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर विषयन अधिकारी (वर्ग १) के रूप में काम कर रहे हैं, दिनांक १८-१२-७८ से आगले आदेश होने

तह विधिवित प्रधारन स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग 1) पदोन्नत किया गया है:—

1. श्री एम० पौ० सिंह
2. श्री एम० पौ० भसीन
3. श्री के० सुर्यनारायण
4. श्री एस० के० मवरवाल
5. श्री एस० सुन्धा राव
6. श्री आर० सुवह्मण्यम
7. श्री वी० बालारामा मूर्ति
8. श्री ए० सो० गुड्न
9. श्री फिलिप इटारिया
10. श्री एम० के० पौ० मनन
11. श्री ट० एम० करुणाकरण
12. श्री आर० नरसिंहन

सं० ए० 19023/57/78-प्र० 3—विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 31-3-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बदाया गया है।

1. श्री एम० चक्रवर्ती
2. श्री एम० वी० चक्रवर्ती
3. श्री आर० वी० कुम्ह
4. श्री एम० वी० कुण्डमूर्ति

दिनांक 20 जनवरी, 1979

सं० ए० 19023/75/78-प्र० 3—निम्नलिखित अधिकारियों का विषयन अधिकारी (वर्ग 2) में अल्पकालीन नियुक्ति को उनके समझे दर्शित प्रबन्ध या नियमित प्रबन्ध होने तक, जो भी पहले हो, बदाया गया है:—

1. डा० जी० के० पालन 11-12-78 से 31-3-79 तक
2. डा० (अधिकारी) आर० एस० नेहते 12-12-78 से 31-3-79 तक

वी० एल० मन्हार
निदेशक, प्रशासन
कूटे कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
क्षय एवं भंडार निदेशालय
बम्बई 400001, दिनांक 10 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एम०/23/2/77-संस्थापन/1285:—
निदेशक, क्षय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री मोहन सिंह, सहायक भंडार अधिकारी को अवकाश स्वीकृति होने के कारण, इस निदेशालय के अस्थाई भंडारी श्री एल० एच० बागे को सहायक भंडार अधिकारी पद पर स्थानापन्न

रूप में संख्ये 650-30-780-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के देशक्रम से 23 अप्र० 1978 से 27 अक्टूबर 1978 तक इसी विदेशालय में तर्स्त रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एम० / 23(4)/77-संस्थापन/1955:—
निदेशक, क्षय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित क्षय सहायकों को, सहायक क्षय अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में, इसी निदेशालय में संख्ये 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के देशक्रम में, उनके दावने दिवार्ड गर्द तिथियी तक तर्स्त रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री के० टी० परमेश्वरन—18-11-78 से 6-1-79 तक
2. श्री ए० एच० मदारंगानी—7-11-78 से 16-12-78 तक
3. श्री आर० के० एंगर—1-12-78 से 6-1-79 तक
4. श्री के० एच० अद्वृत्तीया—26-12-78 से 25-1-79 तक
वी० जी० कुरहर्गी,
सहायक कर्तविक अधिकारी

बम्बई 400001, दिनांक 17 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एम०/4/3(5)/77-प्रागान्तर/2104:—
निदेशक, क्षय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं इदारा, निम्नलिखित अधिकारीयों को संविहारा में, लेवा प्रतिहारी II पद पर संख्ये 840-40-1000-द० रो०-1200 के देशक्रम में 1 अप्र० 1973 वर्ष के इसी विदेशालय में नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	वर्तीयान् पद
1.	श्री कुंवलोण अद्वृत्तीया श्रीनिवास	लेवा प्रतिहारी III
2.	श्री विनायक श्रीनिवास	लेवा प्रतिहारी III

के० पी० जी० रु०,
सहायक कर्तविक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रसाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 जनवरी, 1979

सं० पब्ल०/1/29/78-प्रागान्तर:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रसाग के निदेशक एवं इदारा श्री के० महेन्द्र कुमार को परमाणु खनिज विभाग में एक स्थानापन्न पद पर वैशानिक अधिकारी/प्राविधिक चेड 'एस वी०' के रूप में, दिनांक 30-12-78 की पूर्णाङ्क तारीख प्रदान तहत, नियुक्त करते हैं।

ए० वाई० पी० ब्र०,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेवा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 16 जनवरी, 1979

सं० भापाप/स्था/1/थी०-19/253—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी श्री नोवुगुडोन थोबम, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई प्रब्रह्म श्रेणी तिथिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरण्य श्रेणी तिथिक को, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर एक नवम्बर, 1978 (पूर्वा०) से 2 दिसम्बर, 1978 (अप०) तक के तिथे, श्रीती के० पी० कल्याणी कुट्टी, महायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त की गई है के स्थान पर, स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० 05052/78/339—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, श्री जितेन्द्र मनीनाल शाह, अस्थाई फौरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ीदा) को, उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्न, 1978 से आगे आदेश होने तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभियन्ता (ग्रेड एस० वी०) नियुक्त करते हैं।

के० शंकर नारायण, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० ए० 12034/4/78-ई० ए०—श्री अमर शर्मा, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, कलकत्ता विमानप्रवेश, निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एच० एल० कोहली, निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० ए० 3101/4/1/78-ई० डटप्र०/78—नागर विमानन के महानिदेशक निम्नतिथित अधिकारियों को 1-5-1978 से नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारियों के ग्रह में मूल रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती का स्टेशन	सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में स्थाई-करण की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)

1. श्री आर० के० सरीन थेब्री निदेशक कार्यालय, रिंग रोड, सफदरजंग 1-5-78

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	श्री के० पी० थोष दस्तीश्वर	क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय, कलकत्ता थेव्र	सत्येव शर्मा, 1-5-78
3.	श्री वी० वी० देव	विमानप्रवेश प्रविहारी का कार्यालय, हैदराबाद	कृते महानिदेशक नागर विमानन 1-5-78

सत्येव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, निम्नतिथित चार अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में, प्रत्येक के नाम के अंगे दिवाई गई तारीख से, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और उन्हें उनके नाम के आगे अंकित स्टेशन पर तैनात करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	स्टेशन जहां तैनात किया ग्रहण करने की तारीख
----------	-----	-------	--

1.	श्री रवि प्रकाश तकरीनी	निदेशक अधिकारी	25-11-78 रेडियो निर्माण (पूर्वाह्न) एवं विकास एकक, नई दिल्ली
2.	श्री ग्रविन्द कुमार	नियंत्रक अधिकारी	15-12-78 संचार, वी० सं० स्टेशन, कलकत्ता
3.	श्री टी० एन० वेंकटरमन	नियंत्रक संचार अधिकारी	6-12-78 संचार, वी० सं० (पूर्वाह्न) स्टेशन, मद्रास
4.	श्री विनाकीनाथ सनियाल	नियंत्रक संचार अधिकारी	14-12-78 वी० सं० स्टेशन, (पूर्वाह्न) कलकत्ता

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, निम्न दो तकनीकी अधिकारियों को, उनके नाम के आगे दी गई तारीखों से छः माह की प्रवृत्ति के तिरे प्रवृत्ति पद के नियमित आधार पर भरे जाने तरु, जो भी पहले हो, तर्दश आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते

हैं, तथा उन्हें उनके नाम के सम्बूद्ध दिये गये स्टेशन पर तैनात करते हैं:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन जहां अब तैनात है	स्टेशन जहां तैनात किया ग्रहण करने की तारीख	कार्यभार
1.	श्री पी० एम० मन्त्रिक तकनीकी अधिकारी	निदेशक, रेडियो निदेशक, विकास यूनिट एवं विकास नई दिल्ली	निर्माण एवं रेडियो निर्माण (पूर्वांक)	2-11-78
2.	के० के० नारायण, तक- नीकी प्रधिकारी	नियंत्रक संचार, वैमा- निक संचार, केन्द्र, कलकत्ता	नियंत्रक संचार, वैमा- निक संचार, नियंत्रक, नई दिल्ली	2-12-78
			त्य देव ग्रामा, म उपनिदेशक प्रशासन	

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ए० 32013/3/78-ई० 1—राष्ट्रपति, श्री आई० आर० मैनन उपनिदेशक (विनियम एवं सूचना) को, श्री आर० वी० रणदिवे, निदेशक विनियम एवं सूचना, जो दिनांक 31 जुलाई, 1978 (अपराह्न) से छः माह के लिये विदेश में प्रतिनियुक्ति पर गये हैं के स्थान पर तदर्थ आधार पर निदेशक, विनियम एवं सूचना के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 1/3/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतदद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एम० एल० गांधी को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाती जाह पर 16-11-77 से 10-12-77 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० 1/452/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतदद्वारा स्विच्चन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एच० बालसुन्दरहुण्यन को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 21-3-78 से 29-9-78 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी कार्यालय/मुख्य कार्यालय बम्बई में स्थानापन्न हैप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/470/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतदद्वारा श्री वी० सेल्वम को 16 अक्टूबर, 1978 के पूर्वांक

से आगामी अदियों तक दिव्यांग काम्पनेशन, बम्बई में सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर,
निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

वन अनुमत्यान संस्थान एवं महानिदेशक
देहरादून, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 16/220/74-स्थाना० 1—श्रीमणी वन राजिका महाविद्यालय, कोपमध्यमूर में महावर शिखर पर पर प्रतिनियुक्ति की अवधि के माध्यम द्वारा पर, केन्द्र वन रियास के अधिकारी श्री पी० ए० अश्राम की मेगांवे दिनांक 30 जून, 1978 के अपराह्न से राज्य सरकार को सौंप दी गई है।

गुरदाल मोहन,
कुत्सवित,
वन अनुमत्यान संस्थान एवं तामिनिदेशक।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय
नागपुर, दिनांक 16 जानवरी 1979

क्रमांक 1—इस समाहर्तालिय के (ग० श्र०) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्री ए० एम० लोगा ने, उनकी स्थान-पत्र अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी “ख” बहुपदीय अधिकारी रेज-1, नागपुर का दिनांक 1-12-78 के पूर्वांक से, श्री एम० डेव्हू० अग्रवाल को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर, कार्यभार संभाल लिया।

माधव परलकर,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नागपुर
कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० 2/79—श्री एम० पी० सक्सेना, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक वेन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ‘ख’ वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए, इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० सं० 11/22-स्था०/78/57941, दिनांक 28-11-78 के अन्तर्गत नियंत्रण कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/39/78, दिनांक 28-11-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ‘ख’ (निवारक) कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 1-12-78 (पूर्वांक) को ग्रहण किया।

दृ० ल० रेखी समाहर्ता

दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 5/79—श्री ए० एन० दर, स्थानापन्न, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक मण्डल कार्यालय प्रागरा के पद का कार्यभार दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) को त्याग दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये।

दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 06/79—श्री कुलवंत मिह स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' गाजियाबाद प्रथम मण्डल ने प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) श्री सी० बी० सेली, अधीक्षक को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 7/79—श्री ठिका मुरजीत सिंह बेदी निरीक्षक (प्रबरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए—इलाहाबाद समाहतालिय के पृष्ठांकन प० सं० 11 (39) 28-स्था०/78/14766, दिनांक 17-7-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना प्रावेष्ण सं० 131/1978, तथा इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22-स्था०/78, दिनांक 21-10-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापन आदेश सं० 1/ए०/316/78, दिनांक 21-10-78 अधीक्षक (प्राविधिक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' प्रागरा के पद का कार्यभार दिनांक 15-12-78, (पूर्वीत्त) प्राप्त किया।

क० ल० रेखा,
समाहता

उत्तर रेखे

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी, 1979

नोटिस 1/1979—डा० एस० के० बासू मलिक के स्थानापन्न मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निजी सहायक का दिनांक 7-1-79 (एफ० एन०) को देहान्त हो गया है।

दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 2/1979—सामान्य प्रशासन के विधि अधिकारी/सम्बद्ध अधिकारी श्री अमोलक राम जी बामर लारी एण्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता में प्रतिनियुक्त थ, 2-456GI/78

31-12-78 अपराह्न से उत्तर रेलवे की रेल सेवा से अन्तिम रूप में सेवा निवृत्त हो गये है।

श्राव० श्रीनिवासन
महाप्रबन्धक

पूर्वीत्तर सीमा रेलवे

महा प्रबन्धक का कार्यालय
कार्मिक शाखा'

पांडु, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ई०/283/III/11(ओ०)—1. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग-IV—श्री ए० एल० बन्धा, महायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 8-5-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

2. सं० पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग IV—श्री बी० एम० दुश्मा, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

3. ई०/283/142-भाग-III-(ओ०)—श्री बी० एम० वाम, सहायक सुरक्षा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से प्रवर वेतनमान में सुरक्षा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

4. ई०/283/111/142-भाग-III(ओ०)—श्री जी० सी० कुक्रेती, सुरक्षा दल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक सुरक्षा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

5. ई०/283/30-भागVI(ओ०)—श्री ए० एम० सुर, सहायक प्रोग्रामर (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 7-7-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में प्रोग्रामर के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

6. ई०/283/30 भाग-VI(ओ०)—श्री श्राव० एन० गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 5-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में महायक उप महाप्रबन्धक के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

7. ई०/283/30-भाग-VI(ओ०)—श्री बी० ए० चटर्जी, मुख्य वाणिज्य अधिकारी के गोपनीय सहायक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 8-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

8. ई०/283/30-भाग-VI(ओ०)—श्री ए० के० ओष, मुख्य मिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के गोपनीय सहायक

(तृतीय श्रेणी) को दिनांक 10-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

9. ई०/283/120—भाग—III (ओ०)—श्री सुकुमार राय, मुख्य लिपिक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक भंडार नियंत्रक के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

10. ई०/283/30—भाग—VI (ओ०)—श्री पी० के० मिश्ना प्रबर श्रम कल्याण निरीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 14-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

11. ई०/283/148/(ओ०)—श्रीमती लतिका मुखर्जी, प्रधानाध्यापिका (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रबर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

12. ई०/283/148 (ओ०)—श्री के० के० मुखर्जी, प्रधानाध्यापक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रबर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

13. ई०/283/143(ओ०)—श्री सी० सी० रथ, प्रधानाध्यापक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रबर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

14. ई०/283/111/54—भाग—VIII—श्री बी० सी० सेनगुप्ता, मुख्य यांत्रिक नक्शानबोश (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक यांत्रिक इंजीनियर के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

15. ई०/283/111/54—भाग—VIII (ओ०)—श्री ए० सी० दास, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 7-9-78 से प्रबर वेतनमान में मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के निजी सहायक के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

16. ई०/283/111/129/भाग—III (ओ०)—श्री बी० के० सेनगुप्ता, सहायक भंडार नियंत्रक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 15-9-78 से प्रबर वेतनमान में जिला भंडार नियंत्रक के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

17. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215—भाग—V श्री बी० एन० भट्टाचार्जी, मुख्य सांख्यकीय निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 16-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में संकलन अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

18. ई०/283/30/भाग—VI—(ओ०)—श्री ए० के० सेन, कार्यालय अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

19. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215/भाग—IV—श्री एच० एन० दत्ता, अनुभाग अधिकारी (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

20. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215/भाग—IV—श्री ए० एच० खां, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 25-9-78 से प्रबर वेतनमान में प्रबर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

बी० बैंकटरमणी
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी फैमिली रिलीफ सोसाइटी लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 141—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि फैमिली रिलीफ, सोसाइटी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेफिनरी अंड फौन्ड्री वक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 1316/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेफिनरी अंड फौन्ड्री वक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा। और उक्त कंपनी विष्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कनटिका फौन्ड्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 1388/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान

पर कर्नाटका फौन्डेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इंजीनियरिंग कास्टिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं. 2969/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर इंजीनियरिंग कास्टिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कामधेनु कन्सट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं. 3072/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर कामधेनु कन्सट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुडा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

शुद्धिपत्र

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 9 जनवरी 1979

नोटिस सं. 241/78-79/एक्वी०—सेक्षन 269(डी०)
इनकम टैक्स एक्ट 1961 दिनांक 25-10-78 कृपया
दूसरे पेज में “श्रीमती प्रभा गजानन नगवेकर” के बदले
“श्रीमती पन्ना गजानन नगवेकर” पढ़ें।

पी० रंगनाथम
सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, धारवाड़

प्रसूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 17 जनवरी 1979

निवेद सं० 243/78-79/पक्ष्यु—यतः मुझे पी० रंगनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण।
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 37/ए/ए१/ए/5-B/D है, जो डा० तावरगेरि
नसिंग होम के नजदीक और पुराना महा डाकघर के सामने,
धारवाड़ में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धारवाड़
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन डाकघरमेंट नं० 331 दिनांक 24-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का फलहर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

(1) श्री बालनगीरा पाटिल के दत्तक पुत्र बालनगीरा
पाटिल, टीकेदार, दरोगागली मंगलवारपेट, धारवाड़
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक श्रीनिवास कुलकर्णी डा० तावरगेरि
नसिंग होम के पास धारवाड़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नित्यवासी
नितों प्रत्यं वरक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मि० एम० न० 37/ए/ए१/ए/5-B/D पर मकान एवं जगह
संरक्षित, डा० तावरगेरि नसिंग होम और पुराना महा डाकघर के
सामने में धारवाड़ स्थित है

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज धारवाड़

दिनांक 17 जनवरी 1979
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, वर्मवर्ड

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश सं० एयार III/एपी 284/78-79—अतः मुझे
द्वारा आर० जेपांडी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी गं. एडमेंजरिंग 2144 स्थावर गार्ड है तथा जो
गांव कुर्ला में स्थित है (ओर इसे उपाध्यक्ष यत्नसुची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय वर्मवर्ड में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1903 (1903 का 16) के अधीन
दिनांक 10-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की आय 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) जूनियर गोविंदन गोविंदन, ब्लू हेवन, बांद्रा
टी० पी० एम०-4, वर्मवर्ड 400050

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शैहजादशनी अमजदशनी
2. श्री वाजीदशनी रवाजाई खान

3. श्री मनमुद अहमद मुनीर अहमद
4. देशीखान वदूलनाखान
5. श्री वरकातशनी तालकादार
6. श्री वमहीरअहमद मुनीर अहमद
7. श्री अब्दुल मजीद मोहमद मीटीक
8. श्री नक्सुदशनी हाजी मुस्ताफा
9. श्री मोहम्मद रफी अब्दुल करीम
10. श्री अब्दुल यकुर फौजदार
11. श्री रफी अहमद मीनाबक
12. श्री अब्दुल मनवान हाजी अब्दुल सत्तार
13. श्री रेहमतशनी वेरांग
14. श्री बाकातल ईमामीन
15. श्री महमद नशीम गुलाम महमद
16. श्री अब्दुल जानमोहमद
17. श्री आफतशनी मोहम्मदशनी
18. श्री महमद बमहीर महमद यामीन
19. श्री महमद यामीन हाजी शाहादत
20. श्रीमनी मीरमोहनी, गयद अगारगांवी की पत्नी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि की जमीन का वह तामाम टुकड़ा या भाग जो कुर्ला गांव
दक्षिण मत्सेट वर्मवर्ड नगर व उपनगर (उन्नर वर्मवर्ड महानगर) जिले
में कुर्ला में न्यु आगग रोड पर मौजुद है, माप से 2144 वर्ग मज यानी
1945.67 वर्ग मीटर के बगवर या उसके लगभग है, जिसका
मर्वनं० 320 हिस्सानं० 9 (भाग) है और यह इस प्रकार सीमाबद्ध
है:—

कि उत्तर में डा० मावनानी की सम्पत्ति मर्वनं० 320 हिस्सा
नं० 19 (भाग) पश्चिम में आगरा रोड

दक्षिण में सर्वनं० 320 हिस्सा नं० 19 (भाग) और सर्व
नं० 303 हिस्सा नं० 3 (भाग) कुर्ला मिल्स की सम्पत्ति पूर्व में
कुर्ला मिल्स की संपत्ति सर्वनं० 320 हिस्सा नं० 19 (भाग)

द्वारा एम० जेपांडी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III वर्मवर्ड

दिनांक: 25 जनवरी 1979

मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

प्रायत्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जनवरी 1978

निदण नं० आर 129/अर्जन—अनु: मुझे, अमर सिंह बिसेन, शंकर, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ओर जिसकी मं० मं० नं० लौ-15/274 है तथा जो मो० लल्लापुरा वाराणसी में स्थित है (ओर इसमें उपावद अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हर्ट अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीर्हर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13/5/1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिक्रिय (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिय लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रानुसरण में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री सीताराम

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल विपाठी

(अन्तरिती)

(3) श्री सीताराम

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में प्रधापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किला मकान नं० 15/274 जिसका क्षेत्रफल 169.63 बार्गमीटर बाकै मोहल्ला लल्लापुरा वाराणसी में स्थित है। व इस सम्पत्ति का यह सब विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3157 में वर्णित है ओर सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 15-5-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 18 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जयपुर अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1979

निवास सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे हरी शंकर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सभी प्राविहारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्ती उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिस की सं० मकान नं० 72/32 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी दून या अन्य आक्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मे. अन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रानी साहिवा जोधीजी विधवा ठाकुर बृजराज सिंह, सिवाइहाउस अजमेर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रानन्द कंवर पन्नी श्री उदय भान सिंह एवं श्री मंगाम सिंह पुत्र श्री फतेह गिह, श्रीतगर रोड, अजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 72/32, श्रीतगर रोड, सिवाइहाउस, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या 1855 दिनांक 29-5-1978 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(हरी शंकर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 16 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा०प्रा० अर्जन/५७७—यतः मुझे, हरी शंकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो फतेहपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री जुगल किशोर जालान, 7 दिग्म्बर जैन मंदिर, रोड, कलकत्ता-7
2. लक्ष्मीदेव जालान, जलन्धर, पंजाब
3. हरी प्रमाद जालान, 4 जयपुर, राजस्थान

4. पुरुषोत्तम लाल जालान, 7 दिग्म्बर जैन मंदिर

रोड, कलकत्ता

5. किशन देव जालान, 109 एम० जी० रोड
कलकत्ता-7
(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अब्दुल अजीज

2. मोहम्मद एलियाज

3. गुलाम नबी

4. गुलाम मरवर

5. अब्दुल अजीज

6. अब्दुल ज़ब्बर

7. लियाकत अली

8. मोहम्मद अली

9. फनेह मोहम्मद

10. इसमायल

11. मोहम्मद हुसैन

12. ज़फर

10. बशीर

14. सुबेदार दगब खां सभी निवासी फतेहपुर,
जिल सीकर (गज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पर्यन्धी अविक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाईं नं० 1. फनेहपुर, जिला सीकर में स्थित 5 बीघा 17 विस्ता कृषि भूमि जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कलकत्ता द्वारा क्रमसंख्या 2884 दिनांक 8-6-78 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकल्प ग्राईटी-एन-एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/576—यतः मुझे,
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० कुछ भूमि है तथा जो फतेहपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जून,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवक्ता:-

- (1) सर्वश्री जुगल किशोर जालान, 7 दिगम्बर जैन
मंदिर रोड, कलकत्ता-7
2. लक्ष्मीदत्त जालान, जलन्धर, पंजाब
3. हरी प्रसाद जालान, 4 जयपुर, राजस्थान

4. पुष्पोन्नम लाल जालान, 7 दिगम्बर जैन मंदिर
रोड, कलकत्ता

5. किशन देव जालान, 109 एम० जी० रोड,
कलकत्ता-7

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अब्दुल अजीज
2. मोहम्मद एलियाज
3. गुलाम नबी
4. गुलाम सरवर
5. अब्दुल अजीज
6. अब्दुल जब्बर
7. लियाकत अली
8. मोहम्मद अली
9. फतेह मोहम्मद
10. इसमायल
11. मोहम्मद दुर्यून
12. जफर
13. बशीर
14. सुबेदार दराब खां मभी निवासी फतेहपुर,
जिला सीकर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञने के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञने के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

न्यू वार्ड नं० 1, फतेहपुर में स्थित कुछ भूमि जो रजिस्ट्री-
करण अधिकारी, कलकत्ता द्वारा क्रमांक 2858 दिनांक
7-6-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/606—यतः मुझे,
हरी शंकर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 122 है तथा जो कोटा में
स्थित है, (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 24-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बी० के० लोडिया, डिप्टी मैनेजर, डी० सी० एम०
कोटा

(अन्तरक)

(2) श्री मैजर जनरल एफ० भाटिया पुत्र ई०सी० भाटिया
माला रोड़, कोटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लाट नं० 122 क्षेत्रफल 9600 वर्गफीट जो दशहरा
ग्राउन्ड स्कीम, कोटा में स्थित है और उप पंजियक कोटा
द्वारा क्रमांक 691 दिनांक 24-5-78 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निवेदण सं० सुचना/4/78-79—ग्रन्त: मुझे ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० कोठी नं० 167-जे, क्षेत्रफल 383 वर्गगज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसन्धि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तीतः—

(1) श्रीमति गुरदेव कौर पत्नी करतार सिंह पुत्र नरंजन सिंह वासी बुजूं नलकियां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना, द्वारा श्री अमरजीत सिंह पुत्र बचन सिंह गांव डांगो तहसील व जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री बक्सीस सिंह वासी गांव गगड़ा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना, द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, अटरानी, 167-जे, सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री बसंत सिंह, 167-जे, सराभा नगर, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं०-167-ज, क्षेत्रफल 383 वर्ग गज है जो करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 442, मई, 1978 में दर्ज है।

ओ० पी० बंसल

सक्रम प्राधिकारी

तारीख: 8-1-1979 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेज, लुधियाना।

प्रकृपा आई० दी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1978

निदेश में० एल०डी०एच०/5/78-79—अतः मुझे
ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 57-डी, जिसका क्षेत्रफल 1003 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निष्पत्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बोर/बा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निष्पत्तिलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः—

(1) श्री मनजिन्दर सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव नारंगबाल, जिला लुधियाना, द्वारा श्री धन्ना सिंह पुत्र चनन सिंह, गांव नारंगबाल, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर पत्नी परितम सिंह वासी 57-डी, सराभा नगर लुधियाना, व श्री दर्शन सिंह, पुत्र संतोष सिंह वासी गांव बसराओं, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिये कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तहसील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

दृष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ पर्वों का, और उक्त प्रदिन नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है; वही प्रत्येक होगा जो उस प्रध्याय में दिया जाता है।

मनुसूची

अनैकसी नं० 57-डी, जिसका क्षेत्रफल 1003 वर्ग गज है और जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 462 मई, 1978 में दर्ज है।)

ओ० पी० बंसल
मक्षम प्राधिकारी
तारीख : 8-1-1979. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रस्तुप नाई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० मी० एच० डी०/45/78-79—अतः मुझे
ओ० पी० बंसलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 118, सैक्टर 18-ए, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची म
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज, लुधियाना।(1) श्री अवतार सिंह मेहों, वासी 118, सैक्टर
18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० मवर्ग मिह आहल्वालिया व श्री चरणजीत
सिंह आहल्वालिया, माडल टाउन, लिक रोड,
भारत नगर चौक, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री एम० एस० यादव व श्री एन० मी० टडान,
वासी 118, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।
(वह अवित, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
मन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।एवढीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्र
भाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया जया है।

अनुसूची

मकान नं० 118, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(जयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के बिलेख संख्या 154/1, मई 1978 में दर्ज
है)श्री० पी० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 8-1-1979. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
मोहर : अर्जन रेज, लुधियाना।

प्रकृप प्राईटी एन्ड एस—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/15/78-79—अतः मुझे
ओ० पी० बंसलआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० मकान नं० 3101, सेक्टर 21-डी, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र है
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तव-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या मन्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प्र के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प्र की उपलाई (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत्:—

(1) श्रीमती माया चावला मारकत मसजू चावला
कलाथ हाऊस, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) लै० क० सरबण सिंह, मकान नं० 3001;
सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के
लिए कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में
परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3101, सेक्टर, 21-डी; चण्डीगढ़।

(जोयवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 193/1 मई, 1978 में दर्ज
है)ओ० पी० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख: 8-1-1979 सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण);
मोहर:
अर्जन रेंज, लुधियाना।

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; आयकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निवेश सं० पी० टी० ए०/११८/७८-७९—अतः मुझे आ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 19 मरले, है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षता की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269व अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्ति:—

(1) श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह, वासी कोठी लाल, बाग, पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्री जमविन्दर सिंह पुत्र श्री परितम सिंह वासी गांव घलोड़ी (पटियाला) व श्री गुरमीत सिंह पुत्र तेजा सिंह वासी गांव रणवीरपुरा, तहसील पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 16 मरले हैं श्रीर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलख संख्या 782, मई 1978 में दर्ज है)।

ओ० बी० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-1-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1979

निवेश सं० एल० ए० एन०/33/78-79—ग्रतः मुझे
ओ० पी० बंसल

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है यह इसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सकान नं० वी-20-1192 सराभा नगर,
(प्लाट नं० 38-डी), है तथा जो लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रशोतम मिहू पुत्र श्री गुरचरण सिहू वामी
4708 रिज करेट वर्जीना, 23803 यू० एस०
ए० द्वारा मुख्यानार ग्राम श्री मीत मिहू वैनीपाल
पुत्र श्री गुरचरण मिहू वामी 4-डी, 16-ए०,
जनक पुरी, विद्या मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मर्वण सिहू पुत्र श्री वलीप मिहू व श्रीमती
सविन्द्र कौर पत्नी मर्वण मिहू वामी 38-डी,
सराभा नगर, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सकान नं० 38-डी (नं० वी-20-1192) सराभा नगर,
लुधियाना ।

(जार्यदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख सं० 792, मई, 1978 में दर्ज
है)

श्रो० पी० बंसल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-1-1979

माहूर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/140/78-79—ग्रतः मुझे
नन्दूराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
प्रारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को पहुँच विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायसी प्लाट नं० 35 (नया नं० 168) सैक्टर
19-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तिकारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए, तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से मुझे किसी प्राय की वादत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अस्य आतिथियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपलापा (1)
बीच निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज, लुधियाना :—

4-456GT/78

(1) श्री प्रकाश चन्द जगद्द पुत्र श्री संतार चन्द
जगद्द, वासी 40-साईद, अमीर अला अकब्द,
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार जैन, पुत्र श्री भूमर चन्द जैन,
वासी 36, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त तम्पनि के अन्तर्गत के
नियंत्रणादियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा अप्रोद्दत्ताकारी के पास निवित में
किए जा सकें।

रख्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के प्रधानाय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्व हांगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है ।

नन्दूराम

रिहायसी प्लाट नं० 35 (नया नं० 168) जिसका
कोंड्रेफल 1305.3 वर्ग गज है और जो सैक्टर 19-ए
चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायेदाद जप्ता कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेज संख्या 107, मई, 1978 में दर्ज है)

नन्दूराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1978
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर भाग्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी 1979

निवेश सं० सी० ई० डी०/154/78-78—प्रत: मुझे,
नन्हूं राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 202, सेक्टर 19-ए, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (प्रमत्तरकों) और अन्तरिती
(प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
मिलनाविकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप
से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के
अधीन कर देने के प्रमत्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय वा किसी ब्याज या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्याज-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रत: यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के
अधीन मिलनाविकृत अविकृतों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी श्री प्रलाद सिंह,
वासी 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एन० भासीन पुत्र श्री नानक चन्द्र भासीन
य श्रीमती कान्ता भासीन पत्नी श्री डी० एन०
भासीन, वासी 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टस्तरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लगड़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फर्दों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान सं० 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(आयदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 221/1, मई, 1978 में वर्ज
है)।

नन्हूं राम

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर भाग्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1979

मोक्षर :

प्रकट प्राई. टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, आयकर वन, लूधियाना
लूधियाना, दिनांक 22 जनवरी, 1979

निदेश सं. ए० एम० एल०/३९'७८-७९—भृत. मुझे,
नर्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है तथा जो
गांव जसरां नजदीक गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अमर्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-अ के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम, को आरा 269-अ की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला देवी पन्नी श्री राज पाल, वासी
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री गुरमीत सिंह, रविंदर सिंह, गुरदीप सिंह,
चरण सिंह, पुत्र श्री मांग सिंह, फोरमैन, मैसर
कौतल स्टील रोलिंग मिल, गांव जसरां, मण्डी
गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है और जो गांव जसरां
नजदीक मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
के विलोंब संख्या 137, मई 1978 में दर्ज है)

नर्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, लूधियाना

तारीख : 22-1-1979.

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी ० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, ग्रामकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी, 1979

निदेश सं० डी० एस०/22/78-79—ग्राम, मुझे नत्य
राम

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है तथा
जो राम नगर चनी बाला बनाम देवीगढ़, सब-नक्षील
दूधन सूधन, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दूधन सूधन में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,
1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित से उक्त प्रत्यक्षित
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में
बास्तविक रूप से वर्णित महीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करदेने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कभी
करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बत: घब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, उपषारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, संघति:—

(1) श्री राम लाल पुत्र श्री बाधवा, बासी राम नगर
चनी बाला बनाम देवीगढ़, जिला पटियाला।
(प्रत्यक्षित)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह,
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री वेद प्रकाश,
यैसर्जन राम स्वरूप व सन्सज द्वारा श्री रामस्वरूप

पुत्र श्री सोहनी राम,
श्री मुख्ती राम पुत्र हन्सा राम,
श्री राम किशन पुत्र श्री चरणजी लाल व केवल
कृष्ण पुत्र दया राम,
2. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री राम धारी,
श्री बाबू राम पुत्र श्री सोहन लाल व सर्वां
सिंह पुत्र वरयःम सिंह, अमीर चन्द, सत पाल
पुत्र श्री गुरदियाल व विजय कुमार पुत्र श्री
देव राज,
श्री पद्मवी चन्द पुत्र छत्तर मल,
श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री मंगल राम व श्री
सोहन लाल पुत्र बदरीमल
श्री राम दया पुत्र गंगा राम,
श्री गोपाल चन्द व जगदीश चन्द पुत्र राम चन्द,
श्री कुलवत राय पुत्र रोनक राम,
श्री पवन कुमार व सत पाल पुत्र बनारसी दास,
श्री हन्स राज व बलदेव राज पुत्र श्री तीरथ
राम,
श्री मदन लाल पुत्र श्री सत राम, सारे बासी
अड़डा, देवीगढ़ सब-नक्षील दूधन सुधन, जिला
(अन्तरिती)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त संघति के अंतर्गत के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संघति के अंतर्गत के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्षित द्वारा ग्रामोहस्ताक्षरी के पास सिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिमापित हैं, वही
अवधि होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है और जो राम नगर
चनी बाला बनाम देवीगढ़, सब-नक्षील दूधन सूधन, जिला
पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दूधन सूधन
के कार्यालय विलेख संख्या 93, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्य राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख: 22-1-1979.

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंस टी० एन० एस०—

श्री मुख्य राम पुत्र श्री हन्सराम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 22 जनवरी 1979

निदेश सं० डीएस/21/78-79—अतः मुझे नत्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विधा 7 विश्वा है तथा जो राम नगर वाला (देवीगढ़) सब-तहसील दुधां सौधां, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुधां सौधां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बाधवा, वासी राम नगर चूनी वाला (देवीगढ़) जिला पटियाला ।
 2. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री इलौप सिंह,
 श्री रमेश पुत्र श्री वेद प्रकाश,
 मैसर्ज राम स्वरूप एण्ड सन्स कॉर्पोरेशन पुत्र
 सौधी राम,

(2) श्री राम किशन पुत्र चरनजी लाल व केवल कृष्ण पुत्र श्री दया राम, श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री राम धारी, श्री बाबू राम पुत्र सोहन लाल व श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह, अमीर चन्द, सत पाल पुत्र गरदिसा मल व विजय कुमार पुत्र देश राज, पृथी चन्द पुत्र छत्तरमल,
 ओम प्रकाश पुत्र श्री मंगल राम व सोहन लाल पुत्र बदरीमल,
 राम दया पुत्र श्री गंगा राम,
 श्री गोपाल चन्द व जगदीश चन्द पुत्र राम चन्द,
 श्री कुलबत्त राय पुत्र रौनक राम,
 श्री पवन कुमार व सत पाल पुत्र बनारसी दास,
 श्री हन्स राज व बलदेव राज पुत्र तीर्थ राम,
 श्री मदन लाल पुत्र श्री सन्त राम,
 सारे वासी अड़ा देवीगढ़, सब-तहसील दुधां सौधां, जिला पटियाला ।

(अन्तरीति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

भूमि सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विधा 7 विश्वा है और जो राम नगर चूनी वाला (देवीगढ़) सब-तहसील दुधां सौधां, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधां सौधां के कार्यालय के विलेख संख्या 92, मई 1978 में दर्ज है)

नत्य राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 22 जनवरी 1979

मोहर

प्रस्तुप आई० दी० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269(1) के अधीन, सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी, 1979

निदेश सं० पटियाला/71/78-79—अतः मुझे नव्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा 269-व्यापा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिस की सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 5238 वर्ग गज है तथा जो गांव अलीपुर आरीआं तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है पोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी भाष्य की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसो किसी भाष्य या किसी व्यवय या अन्य आक्षियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः उक्त अधिनियम की व्यापा 269 व्यापा में, उक्त अधिनियम की व्यापा 269 व्यापा (1) के अधीन, अन्तरित अधिकारी, अन्तरित—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र श्री जंडा सिंह,
प्रीतपाल सिंह पुत्र अमर सिंह
गांव अलीपुर आरीआं, तहसील पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री साहिब राय खोसला पुत्र श्री खिदमत राय खोसला करन भूशन पुत्र श्री मुनी लाल, राधुमाजरा, पटियाला । बलदेव सिंह पुत्र गना राम, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के माध्यम में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 5238 वर्ग गज है और जो गांव अलीपुर आरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1951, जून, 1978 में कर्ज है)

नव्य राम
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुधियाना ।

दिनांक 25 जनवरी 1979
मोहर

प्रकृष्ट प्राई० दी० एम० एस०---
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी 1979

निवेश सं० पटियाला/72/78-79—अतः मुझे नत्यू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 4190 वर्ग गज है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे पूर्ण विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसर भी में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात् :—

(1) श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, वासी गांव अलीपुर, अरीआं, तहसील पटियाला

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन मिह पुत्र श्री गंडा मिह, श्रीमती अमृत कीर पत्नी श्री कुलवन्त मिह वासी अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला श्री माहिब राय पुत्र श्री खिदमत राय गांव राधुमाजरा, तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एकूण मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा राहें।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

प्रभुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 4190 वर्ग गज है और जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है।

(आयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1952, जून, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम

मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, विनांक 25 जनवरी 1979

निवेश सं० लुधियाना/21/78-79—अतः भुजे नव्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 17322 वर्ग गज है तथा जो गांव भौरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—456 GI/78

(1) मैसर्ज दिवान किरपा राम सरन दास, मण्डी केसर गंज, लुधियाना द्वारा दिवान राम सरन दास, रजिस्टर कुमार, मुभाय अन्दर, नुभूषण पुम दिवान राम सरन दास पुत्र किरण गंगा व मैसर्ज संगइ मन गम दाम द्वारा दिवान गिरधारी लाल व दिवान ओम प्रकाश पुत्र दिवान राम दास, गुड़ मण्डी लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज नव भारत बनस्पती व अलाईड इंडस्ट्री, द्वारा किशोरी लाल पुत्र राम रसन वासी दोराहा ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 17322 वर्ग गज है और जो गांव भौरा, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के क्रियेक्षण मंख्या 601, मई, 1978 में दर्ज है)

नव्य राम
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 25 जनवरी 1979

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 62/18014/78-79/एक्य०/(दी)---
यतः मुझे जै० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिस की सं० 32, कुबेर साहूजी लेन, है, तथा जो
दिवान सुरप्ता लेन, चिकित्सा लेन, क्रास, में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधीनगर,
बंगलूर सं० 434/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में नमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए

प्रतः यह; उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ख के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ख की उपषारा (1)

(1) श्रीमती सोना वाई उर्फ वेंकम्मा पल्ली श्री बी० जी०
मुब्बाराव साहूजी

2. श्री गणेश साहूजी उर्फ बी० एस० गनेश राव
पुत्र श्री बी० जी० मुब्बाराव साहूजी नं० 8, 1 ब्लॉक
iii क्रास, जयनगर, बंगलूर-560011

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पेरियानायकी पल्ली श्री के० रामास्वामी,
पी/ग्राम मैसर्ज अप्सरा ट्रेडर्स, 1-18, दिवान सुरप्ता
लेन, चिकित्सा क्रास, बंगलूर-53 (अन्तर्भूती)

(3) मैन टेनेंट—मैसर्ज देवीचंद्र पश्चाजी और कं०
सबटेनेट (1) मैसर्ज पी० टी० कंडास्वामी मुद्रालियर
2. मैसर्ज पश्चा टेक्सटाइल्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) श्री पी० प्रयागचन्द्र हाठोड़ पुत्र लेट पुनम चंद्र, डेस्ट्रिप्रोटेट
आर० टी० स्ट्रीट क्रास, बंगलूर ।

2. श्री मूलचंद्र पुत्र जेटमल डी० एस० लेन, चिकित्सा
क्रास, बंगलूर ।

3. श्री मोहन लाल डी० जैन पुत्र स्वर्गीय देवीचन्द्र
पी/ग्राम मैसर्ज देवीचंद्र पश्चाजी एण्ड कम्पनी नं० 32,
डी० एस० लेन, चिकित्सा क्रास, बंगलूर-53

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 434/78-79 दिनांक 5-5-78)

सारा संपत्ति का नं० 32, कुबेर साहूजी लेन, नाड़ काल्ड

दिवान सुरप्ता लेन, चिकित्सा क्रास, बंगलूर-53

चकबदी

पूर्व : पामाणी सुबा राम सेट्टी की दुकान,
पश्चिम : हिमतमल की दुकान

उत्तर : कुबेर साहूजी लेन और

दक्षिण : देवी चंद्र पश्चालाल बिल्डिंग्स (या मकान)

जै० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर,

दिनांक : 10 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18562/78-79 एक्यु/वी—
यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
धीक्षित है

और जिसकी सं० 417, 18th मेन, है, तथा जो IVth ब्लाक जय-
नगर बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण,
स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर,
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 4-5-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधीक्षित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री के० ह्ली सुब्रमण्यम पुत्र श्री के० एस० बेंकटराम
नं० 417, 18th मेन VIth ब्लाक, जयनगर, बंगलूर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० एन० गंगाधा पत्नी श्री एच० दासप्पा
नं० 3, कृष्णा रोड, बंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 391/78-79 दिनांक 4-5-1978)
सारा संपत्ति कानू० 417, 18th मेनशस, IVth ब्लाक,
जयनगर बंगलूर-II

चक्रबंदी:—

पूर्व : 18 मैन रोड

पश्चिम : खाली जगह का नं० 392

उत्तर : खाली जगह का नं० 418

दक्षिण : खाली जगह का नं० 416

पी० रंगनाथन

मन्त्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 30 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 15 दिसंबर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18137/78-79/एक्यु/बी—
यतः मुझे पी० रंगनाथन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 90.00 एकड़ संगु कार्डम्स है तथा जो जमीन
सर्वे नं० 6/1, थशीमशी गांव, मडिकेरी तालुक कुर्ग में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुमूली म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मडिकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-5-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरूपित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में इई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्राप्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पात:—

- (1) श्री एस० वी० एस० राव
पुत्र एस० वेंकटरमन भट्ट
2. अरविन्द एस० राव
3. वसंत एस० राव
4. रमेश एस० राव
5. भास्कर एस० राव
6. चन्द्रशेखर एस० राव

श्री एस० वी० एस० राव के बच्चे

नं० 2 से 6 के पत्ते: नं० 11, चंद्रिका 9वी० रोड़, चेंबर, बम्बई-
71 और रिप्रेजेंट बाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० वी० एस० राव

7. श्री गणेश एस० राव पुत्र श्री एस० वी० एस० राव
नं० 1708, 2 फ्लोर, सेक्टर 22-बी, चंडीगढ़, और रिप्रेजेंटिंग
बाई हिंज एक्टिंग एटार्नी श्री एस० वी० एस० राव

(8) श्री एस० वेंकटराव पुत्र स्वर्गीय एस० सुश्रावा भट्ट,
फ्लैट नं० 5, वसुधा, 7 ब्रॉड रोड़, चेंबर बम्बई-71

(9) श्री एस० गणेश राव पुत्र स्वर्गीय एस० सुश्रावा भट्ट,
नं० 59/सी, मुन्दर अपार्टमेंट, साइन ट्रांसे रोड़, चेंबर बम्बई-71
नं० 8 और 9 रिप्रेजेंटिंग बाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस०
वी० एस० राव

(10) श्री एस० सुकुमारा

(11) श्री एस० मोहन

(12) श्री एस० सुधाकर

स्वर्गीय एस० सुश्रावा भट्ट के बच्चे

पता: भागमंडला, मडिकेरी तालुक कोदागू जिला

(13) श्रीमती बी० सुब्बाम्मा पत्नी स्वर्गीय श्री एस० सुश्रावा भट्ट

(14) कुमारी एस० सुमंगला

(15) मिस एस० कल्पना

(16) श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री बी० बी० राधाकृष्ण
टीचर, द्वरायन हूंडी, नाचानहल्ली, पालया पोस्ट, मैसूरु जिला

(17) श्रीमती वस्त्वा पत्नी श्री आर० के० नारायण,
परिमला निलाय, गुड्लू पेट मैसूरु जिला

(18) श्रीमती वनमाला, पत्नी श्री कुमारस्वामी बैपाडिध्या
बोडिकना गांव, सुलया तालुक, एस० के० जिला

नं० 14 से 18 स्वर्गीय एस० सुश्रावा भट्ट के बच्चे, उनके पते :
भागमंडला मेडिकेरी तालुक, कूर्ग जिला और बेंडर्जे 13 से 18

रिप्रेजेंटिंग बाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० वी० एस० राव

(19) श्रीमती बी० निर्मला प्रभाकर पत्नी श्री बी० बी० प्रभाकर
बी० हू० एल०, जालहल्ली बैंगलूरु, पुत्री स्वर्गीय एस० सुश्रावा
भट्ट और रिप्रेजेंटिंग बाई हर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० वी० एस०
राव

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज जाकब पुत्र पी० जे० जाकब, प्लाटर
"कैनडि घर" कूडाथाई पोस्ट, थामाराशेरी कालिकट, केरल स्टेट,
आप के आज का पता "कैनाडी एस्टेट", चारमबाने पोस्ट मेडिकेरी
तालुक, कोडागू जिला

(अन्तरक) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वर्गीयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 196/78-79/मर्करा 1सी० दिनांक 10-5-1978)

90.00 एक्स रुप्य कार्डम्स जमीन, सर्वे नं० 6/1, थशीमनि
गांव, मेडिकेरी, तालुक, कुर्ग जिला
चंकबदी

पूर्व : सर्वे नं० 10/ए

पश्चिम : रिमेनिंग पार्ट का सर्वे नं० 611

उत्तर : सर्व नं 10/ए और
दक्षिण : सर्व नं 8

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 15-12-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

निर्देश सं ८० सी० आर० 62/18382/78-79/एक्य०/बी—
यतः मुझे, पी० रंगनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं 76.40 एकर से है, तथा जो सागु कर्डम जमीन,
सर्वे नं 6/1, रथ्नीमार्ग गांव, मार्डिकरी तालुक, कुर्ग जिला में स्थित
है (प्रीर इससे उपावद अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मर्करा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी भाग की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एस० बी० एस० राव पुत्र एस० वेंकटरमन भट
- (2) अरविंद एस० राव
- (3) वमत एस० राव

(4) रमेश एस० राव

(5) भासकर एस० राव

(6) चन्द्रशेखर एस० राव

श्री एस० बी० एस० राव के बच्चे

नं ० १ से ६ के पता: नं ० 11, चंद्रिका, ९ रोड, चेंबूर बम्बई-७१
और नं ० २-६ रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी०
एस० राव

(7) श्री गणेश एस० राव पुत्र एस० बी० एस० राव, नं ०
१७०८, २११ प्लॉर, सैक्टर २२-बी चंडीगढ़ और रिप्रेजेंटिव वाई
हिज एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(8) श्री एस० वेंकटेश राव पुत्र स्वर्गीय श्री एस० सुश्राव भट
मकान नं ० ५, वसुधा, ७ फास रोड, चेंबूर बम्बई ७१

(9) श्री एस० नागेश राव पुत्र स्वर्गीय एस० सुश्राव भट
नं ० ५९ सी० सुन्दर अर्टिमेंट्स साइन ट्राम्बे रोड चेंबूर
बम्बई-७१ और नं ० ८-९ रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी
श्री एस० बी० एस० राव

(10) श्री एस० सुकुमार

(11) श्री एस० भोहन

(12) श्री एस० सुधाकर

स्वर्गीय एस० सुश्राव भट के बच्चे

पता: भागमंडला माडिकेरी तालुक कुर्ग जिला

(13) श्रीमती बी० सुब्राह्मण्यमा पत्नी स्वर्गीय श्री सुश्राव भट

(14) कुमारी एस० मुमंगला

(15) कुमारी एस० कल्पना

(16) श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री बी० बी० राधाकृष्ण
टीचर, देवरायन हुंडी, नावानहल्ली, पालया पोस्ट, ममूर जिला,

(17) श्रीमती वत्सला पत्नी श्री आर० के० नारायण,
परिमला निलय गुन्डुलपेट, मैसूर जिला ,

(18) श्रीमती वनमाला पत्नी श्री कुमार स्वामी, बैपाडिया,
थोडिकाना गांव, मुलया तालुक, एस० के० जिला

वेंडर्ज १४ से १८ स्वर्गीय एस० सुश्राव भट के बच्चे

उनके पता: भागमंडला, मेडिकेरी तालुक, कुर्ग जिला और वेंडर्ज
१३ से १८ रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस०
राव

(19) श्रीमती बी० निर्मला प्रभाकर, पत्नी श्री बी० बी०
प्रभाकर, बी० इ० एल०, जालहाल्ली, बंगलूर-१३, पुत्री स्वर्गीय
एस० सुश्राव भट और रिप्रेजेंटेटिव वाई हर एक्टिंग एटार्नी श्री एस०
बी० एस० राव (अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता जार्ज पत्नी श्री जार्ज जाकाब "कैनाडी
एस्टेट" चेरंबाने, पोस्ट, माडिकेरी तालुक, कुर्ग (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 197/78-79/मरकरा 1/० दिनांक 10-5-78)

76. 40 एकड़ सागु कार्डम जमीन, सर्वे नं० 6/1 थानी मन्दी गांव, माडिकेरी तालुक कुरुंग जिला

चकबंदी दस्तावेज में जैसा लिखा गया है वैसा

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 16 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

निःश सं० सी० आर० 62/19393/78-79/एक्यु/बी—
यतः मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिस की सं० 75, हापिस्टल रोड है, तथा जो वलेपेट क्रॉस, बंगलूर-560002 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कायलिय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० वी० पार्थसारथी सेट्री पुत्र श्री बी० टी० वेंकटाचल सेट्री

(2) श्रीमती पी० जमुना पत्नी श्री टी० वी० पार्थसारथी सेट्री

(3) कुमारी टी० पी० गीता

(4) कुमार टी० पी० श्रीनिवासमूर्ती

(5) कुमार टी० पी० वेंकेशमूर्ती

(6) कुमारी टी० पी० इन्द्रा

श्री टी० वी० पार्थसारथी के बच्चे

पता नं० 13/2 'पार्वति निलय', II में रोड, पार्करोड तुलसीथोट्टे, बंगलूर-सिटी और नं० 3-6 रिप्रेजेंटिव वाई देयर पिता गार्डियन श्री टी० वी० पार्थसारथी सेट्री (अन्तरक)

(2) श्री टी० के० डीरास्वामी पिता पी० एस० कंडास्वामी मुदलियार, रा मिल्क मर्चेट, श्री चामूलेश्वरी स्टोर्स, श्री राघवेंद्र मार्केट, एवेन्यू रोड बंगलूर-2 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 992/78-79 दिनांक 23-6-1978)

सारा संपत्ति का नं० 75, हापिस्टल रोड, वलेपेट क्रॉस, बंगलूर-560002

चकबंदी

उत्तर : हास्पिटल रोड

दक्षिण : श्री टी० एन० आयंगर के घर नं० 11 और 119 म्यूनिसिपल लेन,

पूर्व : प्रापटी नं० 58 और म्यूनिसिपल लेन; और

पश्चिम : श्री टी० एन० एयंगर की प्रोपटी

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 21-12-1978

मोहर :

प्रत्येक शार्दूल टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18562/78-78/एक्यु/बी—
यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० जगह का माप 0.53 एकड़ है, तथा जो
घर नं० 15-7-403, आर्य समाज रोड़ 15th बंदुर वार्ड,
कदरी गांव, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्तुः:—

(1) श्री मू० एल० नारायण राव पुत्र स्वर्गीय डाक्टर य०
सुन्दर राव, एडवोकेट, नं० 581, 3rd मैनरोड़, सदाशिव नगर,
बंगलूर-6 और ट्रिप्पेंटिड वाई हिंज जी० पी० ओ० ए० होल्ड
श्री आर० नारायण आचार पुत्र स्वर्गीय के० आर० आचार
एडवोकेट कादरी रोड़, मंगलूर-575003

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एच० कुदोली पुत्र शेख इआन्हिम नं० 68,
सेट्टल मार्केट, मंगलूर-575001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्यांकन
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 167/78-79 दिनांक 19-5-78)

जगह का माप 0.53 एकड़ और घर का नं० 15-7-403,
आर० एस० नं० 258 ए, टी० एस० नं० 242-ए, आर्य समाज रोड़
15 बंदुर वार्ड, कदरी गांव, मंगलूर
चकवंदी

उत्तर : टी० एस० नं० 243-ए

दक्षिण : टी० एस० नं० 241,

पश्चिम : टी० एस० नं० 246 और 247 और

पूर्व : आर्य समाज रोड़

पी० रंगनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारंत्र 22-12-1978.

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० जे०डी०आर०/6/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० भूमि 13 बीघा 19 बिस्वाहू तथा जो गोविन्दपुरी जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जुन:—

(1) श्री जोतीराम पुत्र जीधरी नानक चन्द कीम तगा ब्राह्मण सकना गोविन्दपुरी खुर्द व मुख्यत्यारे आम श्री ईश्वर दत्त पुत्र श्री गोविन्द राम निवासी गोविन्दपुरी (जगाधरी)

(अन्तरक)

(2) मैं लक्ष्मी दास मदन लाल 109-ए, माडल टाउन यमुना नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एषटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 13 बीघा 19 बिस्वा और जिसका खाता नं० 52, खतोनी, न० 143, खसरा नं० 176/3-2, 177/3-15 178/5-2, 179/4-14, 180/6-12, 183/5-2, 175/1-8 और जो गोविन्दपुरी (जगाधरी) में स्थित है (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 630 मास मई 78 पर वर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 9-11-1978.

अर्जन रेंज, रोहतक

मोहरः

प्रलम आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० के० टो० एल०/४/७८-७९—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानीया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका रक्वा 15 कलाल 8 मरले हैं तथा जो पट्टों चांगरें रेंज में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णिया है), राजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी का कार्यालय, कैथल में राजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—456GI/78

(1) नरेंद्रो लिलो राम लक्ष्मीनारायण, तुकने कुदरी, निवासों के बाहर।

(अन्तरक)

(2) मै० शिव अंतर रामेश निवास, कैथल।

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सूचना के प्रति कोई जो आन्तरिक:—

(क) इस सूचना के अन्तर्गत को तारीख से 45 दिन तक उक्त उपावद्र अनुसूचित रूप से सूचना का निवास सं० 111 नं. नवाय, जामो अवधि बावजूद अनुसूचित न होने के स्थान पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का,

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत को तारीख से 45 दिन तक उक्त उपावद्र अनुसूचित से हितवद्ध किसी अन्य नामकरण, अन्योद्यताकारी के पास लिखित में लिखा जाने के,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्राप्त सं० और धर्मों का, जो उक्त अधिनियम द्वारा दर्शाया गया है, और उक्त अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रक्वा 15 कलाले 8 मरले हैं और जो पट्टों चांगरें रेंज में स्थित है।

(निम्नलिखित जैगांडे रामस्ट्रों की दैवत के कार्यालय में रजिस्ट्रो क्रमांक 1550 मात्र अगस्त, 78 पर दर्ज है)।

रवेंद्र दुमार पठानीया
संस्कृत प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक,

तारीख: 9-11-1978.

मोहर:

प्रस्तुत शार्दूल दी० ८०० पृष्ठ०—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 15 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० टी० एच० एन०/५/७८-७९—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विषय
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 63 बनाल 13 मरला है तथा
जो टोहाना में स्थित है (और इसे उपावल फैसला में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय,
टोहाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से उक्त दृष्यमान
प्रतिकल के सिए अनन्तित रूप से और दूसे पहले विषयास
करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
शावार मूला, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का अद्वैत प्रतिवेत से सत्रिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा वास्तविक प्रतिफल, नियमिति
उद्देश से उक्त अन्तरण विक्षित में वास्तविक रूप से कार्यत
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई इनी आय की वावत उक्त
अधिनियम, के प्रतीक रूप देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य आतिथों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रविधियाद, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरी द्वारा प्रटृ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(ग) अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, जे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
नुसारा (1) के अधीन नियमनिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरिकिशन पुत्र श्री मुरदिता भल, टी स्टाल,
मड्डी मंडी, नजदीक गांधी चौक, टोहाना।
(अन्तरक)

(2) श्री बुद्ध राम पुत्र श्री गाहना राम, बान मरचेट,
गांधी चौक, टोहाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकार :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
ग्रन्ता की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू फिसी गन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रथ्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 13 मरला
और जो टोहाना में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रेशन नं० 433 में दी है और
जो रजिस्ट्रीकरी अधिकारी टोहाना के कार्यालय में 8-6-1978
को लिखी गई)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख : 15-12-1978.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीगत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 दिसंबर, 1978

निदेश सं० एम० एच० एम०/1/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 113 कनाल 7 मरला है तथा जो गांव वहेलवा तहिं० माहम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माहम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यय पक्षा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पश्चीम निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

(1) श्री मानिल वावा प्रकाश नाथ, चेला बाबा विद्या नाथ, गांव बहेलवा तहिं० महम, हाल गांव लंगरिया, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) चो० दलीप सिंह पुत्र श्री सरूप सिंह, श्री बल-जोत सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, बांव बहेलवा, तहिं० महम, जिला रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए कांवाहिंगां करता है

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 113 कनाल 6 मरला है और जो गांव वहेलवा तहिं० महम में स्थित है।

(सम्पत्ति जैवालि रजिस्ट्रेशन नं० 325 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी महम के कार्यालय में 30-6-1978 को निब्बो गई)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-12-1978

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1979

निदेश सं० के० एन० एन०/५/७८-७९—प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरोक्षी सहायक आयुक्त आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकवा 1211 करात, 3 मरले सहित 4 टयूबेल तथा, विलिंग इत्यादि है तथा जो इस चोपड़ी तहसील करनाल में स्थित है (और इसे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को गूर्वाकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को उक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के धीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रधारतः:—

(1) श्री हरबन्दा सिंह, पुत्र श्री सोहन सिंह, मार्गत दुकान नं० 49, पटेल बाजार मार्किट, जी० टी० रोड, करनाल तथा मुख्यवारे अम, 2. सर्वश्री कुलशीर सिंह, करतार सिंह पुत्रान श्री सोहन सिंह, 3. श्री तुरवरन सिंह पुत्र श्री अमर नाथ 4. श्रीमती बीजोबन कौर पत्नी श्री मोहन्द्र सिंह, 5. श्रीमती गुरुरवरन कौर पत्नी श्री अजीत सिंह।

(अन्तरक)

(2) पर्वती 1. कुण्ड लाल, 2. सेवा राम, 3. दौलत राम, 4. ओम प्रकाश, पुत्र दौलत राम दास 5. वेद प्रकाश पुत्र कृष्ण लाल, 6. राजिन्द्र पाठ युव तेराम, 7. मरोन कुमार पुत्र दौलत राम, 8. महेश कुमार पुत्र ओम प्रकाश, 9. राज कुमार, 10. प्रेम कुमार, पुत्रान नारायण दास, सभी निवासी तरावड़ी, तहसील करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संस्ति के अवैतन के अंतर्वाले कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकवा 1211 करात 3 मरले बनय 4 टयूबैल 4 इंजन, 4 कनरे, कौशल गिरोलैटीज तथा रिहायशी मरात जैरा कि रजिस्ट्रीर्टी करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रांक 768 तिथि 16-5-78 में दिया है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 23-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अगस्त 1978

निर्देश नं० प-188/ध०/78-79/2202-3—अतः मुझे
एगवर्ट सिंगआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संशोधनाधिकारी ने यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिनकी दाग नं० 183 और पि० पता सं० 298
है तभी जो परगना जमिरा धुवरि शहर में स्थित है (और
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीरहर्ता अधिकारी के कार्यालय धुवरि में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-5-78 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक शब्दों में सूचना दी गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याद गया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से दूरी किसी धारा की वावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या(ख) ऐसी इसी धारा किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;मतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधितयों अर्थात्:—(1) श्रीमती वेना रानी दास, राजिक चन्द्र दास की
पत्नी मार्गोंके, निराट रोड, धुवरि, गोवानपाड़ा जिला।
(अन्तरक)(2) श्रीमती प्रभा रानी राय, ग्रोजेन्ट्र चन्द्र राय की
पत्नी, एन० एम० रोड, धुवरि।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासव्यन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के स्रोतर पूर्वोन्नायकितयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोट्ट्वाक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।इष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त दोगा, जो उम प्रधाय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन के परिमाप 1 (एक) काथा 15 लेचा, उसमें
एक भाग आर० मि० मि० मकान जो कि परगना जमिरा,
दक्षिण रोड, वडा पं० 6, धुवरि शहर, गोवानपाड़ा, जिला,
आमाम में स्थित है।एगवर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांगतारीख: 24-8-1978
मोहर :

प्रमुख प्राइंटी० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए०-189/धू०/78-79/2208-9—अन्तः मुझे प्रगबर्ट मिंग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी दाग सं० 143 और दि० पत्ता सं० 214 है तथा जो परगना जिमिंग धुबरि शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हार्ट अधिकारी के कार्यालय, धुबरि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया या प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित ने वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने वा उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपान में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीनली बेना रानी दाग, राजिक चन्द्र दाग, की पत्नी, आर० सिंह रोड, धुबरि, शोवालपाड़ा, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर चन्द्र राय, ओजेन्द्र चन्द्र राय का पुत्र, एन० एस० रोड, धुबरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर नूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधोदृश्यताकारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृष्ट कर्वों प्राप्ति का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 1 काथा 10 लेचा इसमें एक भाग आर० सिंह सिंह मकान जो कि परगना जमिरा, वफरिन रोड, वार्ड सं० 6, धुबरि शहर, शोवालपाड़ा, जिला, आसाम में स्थित है।

प्रगबर्ट सिंग
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 24-8-1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राइंटो० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए०-205/टी० एस० के०/78-79/6933—अतः
मुझे इ० ज० जावलींगआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उ० अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ०
के अधीन लक्ष्य प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक हैऔर जिसकी सं० पट्टा सं० 435, दाग सं० 3104 और
3105 है तथा जो तोरकुलिया पोखरी, तीनकुलिया, जिला
डिक्कुले के नजदीक में स्थित है (और इससे उपावड अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के
कार्यालय निम्नलिया में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
2-5-1978को पूर्णता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापुरांका मार्गि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है तोर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप के कथित रूपों के द्वारा दिया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रक्रि-
यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनु-
सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ० की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—(1) 1. श्री जोन चन्द्र मुद्रजी, 2. श्री सुरिन कुमार
मुद्रजी, 3. श्री जवीर कुमार मुद्रजी,
गमी 4. श्री प्रदीप कुमार मुद्रजी, स्व० जमान
चन्द्र मुद्रजी के पुत्र, उत्त्यनारायण प्रेस,
हिन्दुकुपा के नजदीक।

(अन्तरक)

(2) श्री नुवांगश विकाश सेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रूचॉर सम्पत्ति के अंतर्भृत के
निम्नलिखित कारणों के लिए

उक्ता पार्टा के अंतर्भृत के मंदिर में कोई सीमा क्षेत्र :—

(क) इस नूचना के राखन्त्र में भक्ताशन जै तारीख से
45 दिन की अवधि या तारीखों व्यक्तियों पर सूचना
की विविध से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
बाद ३ अप्रैल दोस्री हो, के भीतर एकोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस नूचना के राखन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन तक भातर उक्त स्वाप्त यमाति में हिन्दूदार किसी
प्रथम अधिकारी द्वारा, माधूलाशरी के पक्ष लिखित
से किए जा सकें।प्राप्तिकरण :—इसमें ग्रन्थी अवधि और रद्दी का, जो उक्त
कार्यालय के भवित्व 20-का में
परिभाषित है, यही अवधि होगा, जो उस
अवधि में दिया गया है।

अनुग्रही

जिन्होंने मार्च 2500 लक्षपत्र की एक अपम टाइप
महान के बावजूद जो तोरकुलिया सुखदो, निम्नलिखित दाउन,
मौजा तिमुलेया शिला डिक्कुले असम में विद्युत है।इ० ज० मावलींग,
सदम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 18-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए०-२०६/टी० एम० के०/७८-७९/६४३८—

अतः मुझे इ० ज० मावलींग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी दाग सं० 3104 और 3105 और कच्चा पत्र सं० 435 है तथा जो तीन युजियां पुखरी मौजा तिन-सुकियां, डिग्रुगढ़ जिला के नजदीक में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तिन सुकियां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—
7-456GI/78

(1) 1. श्री जीवन चन्द्र गुब्बर्जी, 2. श्री सुशील कुमार मुखर्जी, 3. श्री ग्रधीर कुमार मुखर्जी, 4. श्री अजीत कुमार मुखर्जी सभी स्व० जमात चन्द्र मुखर्जी के पुत्र, जी० एन० वी० मार्ग, मन्यनागरण प्रेस के नजदीक, तिनसुकिया।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शिवा प्रसाद राय, 2. श्री सुभाष कुमार राय, 3. श्री शहस्रन कुमार राय, सभी स्व० खण्डन कुमार राय का पुत्र, सुबाचनी मार्ग, तिनसुकिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में पर्दि-माषित हैं, वही प्रये होगा जो, उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप चार (4) कड़ा सवह (17) लमा जी नीनकुनियां पुखरी, मौजा तिनसुकिया, डिग्रुगढ़ जिला असम के नजदीक स्थित है।

द० ज० मावलींग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

(1) श्री जावू रंगमामी

(अन्तरक)

ग्रायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० विजयनक्षमी

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० 2/मे०/78—आतः, मुझे, आ० आनन्दराम आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 20 है, जो चत्वरम स्ट्रीट, डिन्डुकल डिन्डुकल तालुक, मदुरै डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० आ०-१ डिन्डुकल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य है प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया गया प्रतिफल, मिम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बावजूद, उक्त ग्रंथिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य ग्रासिंयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269 व (1) के अनुसरण में, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269 व (1) के उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रंथिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, मं० 20, चत्वरम स्ट्रीट, डिन्डुकल।

श्रो० आनन्दराम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 5-10-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री डॉ वेंकट गव्ह और चार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

(2) सर्वश्री राजन ट्रेडिंग कम्पनी

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 23/मई/78—अतः मुल्त, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

ओर जिसकी सं० 318 है, जो नियंत्री चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ओर इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), गजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, जे० एम० आर० ओ०-१, मद्रास, नार्थ (डाक सं० 1606/78 में भारतीय गजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 6-5-1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी छरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थरा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवधियों, भर्तुः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत किए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवधि द्वारा अधोहस्ताशरी के पाम निष्प्रिय में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अचं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, 318, नियंत्री चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एम एस-

(1) श्रीमती भूपिन्दर कौर

(अन्तरक)

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती के० नवीनामनी

(अन्तरिती)

269 व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 36/मर्फ/78—अन्तरक मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी मं० 2/2 है, जो टैक्सिलर्स रोड, कीलपाक मद्रास-10 में स्थित है (अंतरक में उपावड़ अनुसूची में और पृष्ठ ८४ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक सं० 449/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नामिक 19-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तुविकृति से कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भुमि और घर, 2/2, टैक्सिलर्स रोड, कीलपाक, मद्रास-1011।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, मद्रास

अन्तरक, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणित:—

नामिक: 3 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती भूपिन्दर कौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती कांतीमती।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निर्देश स० 37/मई/78—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मूल्य 2/2 है, जो टैक्सिरस रोड, मद्रास-10 में स्थित है (श्रो० इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक मूल्य 450/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और घर, 2/2, टैक्सिरस रोड, कीलपाक, मद्रास-10

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

ग्रन्त: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 3-11-1978

मोहर:

प्र० ग्राइंड टी० एन० एस०----

(1) श्री डी० सी० टपीनपूर्ण हेलीन । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को 18

269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० पी० तेयवाने आची और एक ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 19/मर्फ/78—यतः, मुझे, ओ० श्रानन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 90/78 में आयकर एकाडमी के कार्यालय, एरकाड (डाक सं० 90/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-1978 को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विवरित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

15 एकरण काफी एस्टेट, एरकाड में।

ओ० श्रानन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख: 8-11-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डी० सी० डल्ल्य० हेल्लीन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एन० सुब्रह्मनीयन चेट्टीयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निम्नेश स० 20/मई; 78—अर्यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० — है, जो एरकाड में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाक सं० 91/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 मई, 1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अपेक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16.51 एकरस काफी एस्टेट और 3 घर एरकाड में।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
मद्रास आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 8-11-1978

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस. ——

(1) श्री एच० एम० मोहम्मद हुसैन साहेब।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री कौ. बेंकटरमन आचार।

(अन्तरिती)

269-प (1) के अधीन सूचना

(3) श्री कौ. मादव आचार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 13/मई/78—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 59/60 है, जो मूर स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० श्रो०-II, मद्रास (डाक सं० 1672/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिक्र (प्रतिक्र) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरक्षण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अभ्यरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्षण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

उपलिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्यय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुक्रम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयनी प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर, 59/60, घर स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

श्रावण उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० बी० ए० रुक्मिणी बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती पी० एम० राजलक्ष्मी

(अन्तरक्ती)

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रामीन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 33/मई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो मारसेलम रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टा अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक सं० 394/78) में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम ने अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

4820 एफ० एफ० भूमि और धर, 15, मारसेलम रोड, मद्रास-8 में।

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी ग्रन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखान में सुविधा के लिए;

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रामीन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्—
8-456GI/78

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्रीमती के० वी० ए० रुक्मिणी बीवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० एम० श्रीदेवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 30 नवम्बर 1978

निधश सं० 34/मई/78—यत्, मुझे, श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो मारसेलस रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक्यूमेंट सं० 395/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है:—

(६) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में में किसी अवक्ति द्वारा;

(ब) इन प्रत्येक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि नियों प्रत्येक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

अधिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4820 स्क्वेयर फूट भूमि और घर, 15, मारसेलस रोड, मद्रास-8 में।

श्रो० आनन्दराम
सकाम अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 30-11-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० जी० लोगतादान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एन० परसूरामन

प्रधीन 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 11/जून/1978—यत्, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है, जो यररहली गांव 1 कावेरी-पट्टीनम में स्थित है (और इससे उपाबण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, कावेरीपट्टीनम (डाक सं० 821/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के साथ से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आदि या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की छपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्त:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, यररहली, गांव, कावेरीपट्टीनम स।

ओ० आनन्दराम
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

(1) श्री डी० एस० वरदराज चेट्टी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गोवरपती बाई

(आंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 31/मई/78-उत्तृ. भुजे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है, जो वेलायूद मूदसी स्ट्रीट, आम्बूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आम्बूर (डाक सं० 800/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रादृ-नियम, के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या निया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तृ. प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के मंबंध में कोई भा आँखें :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थाप्त किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भग्नि श्रीर घर, 4, वेलायदम चेट्टी स्ट्रीट, आम्बूर में।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही ० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती पातीमा बेगम

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० गोपालकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसंबर 1978

निर्देश सं० 18/मई/78—प्रतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

आर जिसकी लाट सं० 49 है, जो बालाजी नगर, सेलम-4 में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी० एम० आर० ओ०-1, सेलम (डाक सं० 1408/73) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 31-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय मा किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुव सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भावेष्प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि औ भी अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अर्जित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकारी, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अन्तरक (अन्तरकों) के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभ्रान्त है वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, लाट सं० 4, बालाजी नगर, सेलम-4 में।

ओ० आनन्दराम
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रकृत्या ग्राही दी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निवेश सं० 22/मई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो आचारण स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितियों, पर्यादः—

(1) श्री एन० डी० एम० मूस्तकाकमल (अन्तरक)
(2) श्रीमती जम्मूत बेगम (अन्तरिती)
(3) श्री राजेश कमानी और आधी (वह अवित्त; जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अप्य अवित्त द्वारा, अबोहूस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 5, आचारण स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 8-12-1978

मोहर:

प्र० श्री वी० चौदाम्बरम
 ग्रामपालियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक ग्रामपालियम, आयुक्त (नियोक्ता)
 अर्जन रेज-1, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 44/मई/78—यह, मुझे श्री० ग्रामपालियम
 ग्रामपालियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त ग्रामपालियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन
 सभाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर
 सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 25/15-4A है, जो मैंना विलास,
 चेट्टीयार रोड़, कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० श्री० I, मद्रास नार्थ
 डाकु० सं० 1091/78) में रजिस्ट्रीकरण ग्रामपालियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चहूं प्रतिग्राम
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त
 ग्रामपालियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय ग्रामपालियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रामपालियम, या बन-
 कर ग्रामपालियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रामपालियम की धारा 269-व के अनुसरण में
 मैं, उक्त ग्रामपालियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वी० चौदाम्बरम

(अन्तरक)

(2) मैमर्से मदन पेट्रो केमीकल हॉम्मेल कारपोत्तन
 निमिट्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालय करना है।

उक्त सूचना के प्रतीक्षा में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन को अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 मापान की दी गई, के प्रतीक्षा द्वारा अवाक्षात् रूप से किसी
 अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के प्रतीक्षा द्वारा स्वावर सम्पत्ति पर हितवद्ध
 किसी पन्थ अवधि द्वारा अवाक्षात् रूप से लिखित
 में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राम-
 पालियम के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वहीं
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 86 एकडस भूमि, नाम 'हूमीन विलास', चेट्टीयार रोड़,
 कोडैकानल में।

श्री० ग्रामपालियम
 सभाम प्राधिकारी
 सहायक ग्रामपालियम, आयुक्त (नियोक्ता)
 अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 19-12-78
 मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

(1) श्री के० मठगोपन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेष धन्दी

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निदेश सं० 6229—अतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्ण-
मूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है, से अधिक है।

और जिसकी सं० एम०-6, II, एवेन्यू है, जो शास्त्री नगर,
मद्रास-20 में स्थित है (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कायालिय, चेट्टीपेट्टे, मद्रास (डाकूमेन्ट सं० 508/78) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नदी किया
गया या या किया जाना चाहिए, या लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आत्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, एम०-6, II एवेन्यू, शास्त्री नगर,
मद्रास-20 (डाकूमेन्ट सं० 508/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमृति
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 4-1-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

(1) श्री रामवार पुत्र बुद्धी, निः० ग्राम नारंगपुर,
पोस्ट खाम, ज़िला मेरठ। (अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भवानीकरण ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीनगर रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निवेदा सं० 18240/अर्जन/मेरठ/77-78—ग्राम मुझे,
वी० सी० चतुर्वेदी,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में विद्युत है (और इसमें उक्त बदल अनुसूची में
आर पूर्ण रूप में वीणा है), रजस्ट्रीर्ना अधिकारी के
कार्यालय भवानी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन गारीब 12-5-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तीतः—(2) श्रीमती पिरथो पत्नी हन्मा मिह, निः० ग्राम नारंगपुर,
ज़िला, प० किंवौर, पोस्ट नारंगपुर, ज़िला
मेरठ। (ग्रन्तिरीती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामकर—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तराल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम मुजपकरपुर खुन्डी,
ज़िला मेरठ 27,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेचा गया।वी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।तारीख: 20-9-1978
मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मित्स्वर, 1978

निर्देश सं० 18368/अर्जन/मेरठ/77-78—ग्रतः मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के अनुमार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (प्रतिफलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उभमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) श्री च्यादार पुत्र काले निं० ग्राम शमशापुर, प० किशोर, त० मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री अद्विमिह पुत्र प्रीतम मिह, पुत्र छच्चर मिह, रमेशपाल, पुत्र किशन मिह, सुभाष पुत्र चंद्र सिंह, निं० ग्राम शमशापुर, पोस्ट बहसुमा, प० हस्तिनापुर, त० मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति कुपि भूमि स्थित ग्राम नाजपुर, प० हस्तिनापुर त० मवाना, जिला मेरठ 35,000 रु० के विक्रय मूल्य से बेची गई।

वी० सी० चतुर्वेदी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-9-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निम्नें सं० अर्जन/134/छिवरामऊ/78-79—अतः मुझे,
वी० सी० चतुर्वेदी
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी शाय की बाबत सब्स
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुकिदा
के लिए;

प्रतः धब्ब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतार—

(1) श्री गंगेश्वरम व धनगाम पुत्र रामेश्वरदयाल
निवासी ग्राम नीगई परगना, छिवरामऊ, जिला
फलेबाद। (अन्तरक)

(2) श्री विमलेश चन्द्र पुत्र लालना प्रमाद व राम
प्रकाश पुत्र वालादीन दुबे व मदानन्द पुत्र राम
भरीसे, निवासी ग्राम नीगई, परगना छिवरामऊ,
जिला फलेबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाचार के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त समाचार के प्रतीन का अन्तर्गत नै कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और कश्मीर का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वहीं व्यर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यवन मल्लन कृष्ण भूमि स्थित ग्राम वीरगई तहसील
छिवरामऊ, जिला फलेबाद, 31700 रु० में वेची गई।

वी० सी० चतुर्वेदी
नक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारोत्तम : 20-9-1978
मोहर :

प्रस्तुप आईटी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

सारस्त सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मितम्बर 1978

निर्देश सं० 54/प्रअर्जन/कानपुर/78-79—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानक सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुगार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार मे० स्थित है (ओर इसमें उपावद अनुसूची
में और पूर्ण सूची से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कानपुर मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-5-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शाश्वत
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपावद (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री नरायणदाम पुत्र हामानन्द निवासी 101/71,
तलाक मोहान, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री नरायण दाम पुत्र भीबचन्द्र और गंगाराम पुत्र
माधुमत, निवासी 123/520, फजलगाज, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रावेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वि किसी
मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अद्याय 20-क में परिभ्रायित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति भूमि जिसकी माप 800 वर्ग गज है,
जिसका नं० 3, ब्लाक 'के' हकीम-1, गोविन्दगढ़, कानपुर
में स्थित है इसका हस्तान्तरण 55000/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-9-1978
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मनम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/105/78-79-अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी गं० अनुसूची के अनुसार नथा जा अनुसूची के अनुसार में दिया है (अर्थ इनमें उग्रवड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारेख 26-6-1978 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत गे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्देश से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया थया है :—

(*) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(**) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसी प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः—

(1) श्री चल्द नगयन माधुर, हरीग नरायन माधुर, प्रभाग नरायन माधुर, राजेन्द्र नरायन एवं, गुरु प्रताप नरायन शेरी, अनुभव नरायन माधुर, राजेन्द्र नरायन माधुर, कुलदीप नरायन माधुर व प्रदीप नरायन माधुर, सभी निवासी छिलो इंट सड़क, आगरा।

(प्रत्यरक)

(2) श्री बाल कृष्ण महेश्वरी, पुत्र कपूर चंद महेश्वरी निवासी चित्तीखाना, आगरा।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी आर पूर्वान्त व्यक्तियों में दि किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भावतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ता-अरी के पास निविस में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्राची और प्रदीप का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उत्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्वयन सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 17/254 पुराना (नथा नं० 17/254-ए) स्थित छिलो इंट रोड, आगरा 90000/-रु में वेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
धनक प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 28-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28-9-1978

निर्देश सं० अर्जन/44/कानपुर/78-79—ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिनसी सं० अनुसूची के अनुगार है नवा जो अनुसूची में स्थित है (और उन्होंना उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रन्तरस्त्रीर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, ग्रन्तरस्त्रीर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1978 को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री महेन्द्र मिश्र निवासी गर पी० सी० चतुर्वेदी, दलहावार।

(अन्तरक)

(2) श्री शशोक कुमार अग्रवाल, 3/50, नवाबगंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वज्ञानिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल नम्बर भूमि व भवन नं० 3ए/2 आजाद नगर, कानपुर 95,000/- में वेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

नारीख : 28-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी, 1978

निर्देश सं० अर्जन/144/इटावा/78-79—अतः, मुझे वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के अनुमार में स्थित है (और उसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजन्मट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में, रजन्मट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1978 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन पा यथ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादित:—

(1) श्री छक्कीनाल पुत्र पुत्र लाल, निवासी नवलपुरा, ग्राम लख्नौर, जिला इटावा।

(अन्तरक)

(2) श्री आंगन मिहू व कुंवर बहादुर मिहू पुत्रगण मनोहर मिहू, निवासी ग्राम किंगपुर, जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त समस्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर युवना लाल नामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रामहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रहे।

स्पष्टीकरण :—इसमें ग्रामत शब्दों और वार्डों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रवल सम्पत्ति कुपि भुग्म 21.63 एकड़ स्थित ग्राम हैवारा जिला इटावा 32750 रु० में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-9-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मितम्बर, 1978

निदेश सं० अर्जन/64/इटावा/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और उसे उपावक्ता अनुमती में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आविष्ट ना, तिपान में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति:—

1. श्री जगदीश नागायन पुत्र प्यारे लाल
निवासी नगला, रमपुरा, बिसुनपुर, लोहरई,
पोस्ट बसरेहर जिला इटावा।

(अन्तरक)

2. श्री मनवान मिह, बाबू मिह, सोबरन मिह पुत्रगण
जितवार मिह, गोपाल मिह व बूजपाल मिह (नांबा)
पुत्र सुरेन्द्र मिह संग्रहिका श्रीमती ऊषा किरत माता
निवासी चट्टी, ग्राम युनियन, पोस्ट बसरेहर
जिला इटावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास निखिल में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

ममसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 5-10 एकड़ स्थित ग्राम बिसुनपुर लोहरई जिला इटावा, 32000 रु० में बेची गयी।

बी० भी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, कानपुर

तारीख 28-9-78

मोहर :

प्रस्तुत प्राइ.टी.एम.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, विनांक 30 सितम्बर, 1978

निवेश सं. 56/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी सम्पत्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन तारीख 19-5-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितीयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य के दृक्त अस्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किसी जाना चाहिए या, लियाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिद्धि अन्तियों, पर्याप्त :—

10-456GI/78

1. डा० वीरेन्द्र स्वरूप पुत्र विजेन्द्र स्वरूप निवासी 15/96, सिविल लाइन्स, कानपुर। (अन्तरक)
2. श्री वृजमोहन किमनामा पुत्र महराज किमनामा निवासी 15/96, सिविल लाइन्स, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अन्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी अन्तियों पर सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य अन्तियों पर सूचना के राजपत्र में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति एक बना हुआ मकान नं. 15/264 जो सिविल लाइन्स कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 70,000/- रु० में हूँगा है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-19-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 82/अर्जन/खेर/78-79—ग्रतः मुझे विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अप्रसरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

महतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. मेहरबान पुत्र श्री अल्ला राजी निवासी ग्राम उत्तावरा, पौ० खैर, अलीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री जाकिर अली व जफर अली पुत्र श्री बाकर अली निवासी बड़का, खैर, अलीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी छरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप्रयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी इन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा, 18 बिस्वासी, स्थित उत्तावरा खैर, अलीगढ़, 460000 रु० में देवी गंगी जिसका कि बाजारी मूल्य 72000 रु० है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रक्रम शार्ड० दी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 197/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—यतः मुझे
विजय भार्गवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 27-5-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(क्क) ऐसी किसी याय या किसी अन्य अधिनियमों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अठा प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् ।—1. श्री दुष्प्रियाद पुत्र हीरा लाल निवासी ग्राम ललू,
फिरोजाबाद, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रदेवी पत्नी श्री अर्जुन सिंह, अनेग सिंह पुत्र
पीताम्बर सिंह, निवासी ग्राम दौलत पुर, फिरोजाबाद
जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित ग्राम ललू, फिरोजाबाद, जिला आगरा
43000 रु० में बची गयी जिसका कि मूल्यांकन 80000 रु० में
किया गया है।विजय भार्गव
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-11-78

मोदर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269—ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 196/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79/4377—यतः
मुझे विजय भार्गव

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के
अनुमार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—ष की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्री फूलचन्द पुन्न प्यारे लाल, निवासी आतावाला
कस्बा, फिरोजाबाद, व श्रीमती मधू मित्तन पत्नी
श्री प्रमोद कुमार व अन्य।

(अन्तरक)

2. सर्वोदय सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
फिरोजाबाद द्वारा श्री हनुमान प्रसाद गर्ग पुन्न श्री अम्बिका
प्रसदा, बाग छिन्नामल आगरा गेट, फिरोजाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आँखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलक्ष्याकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4141 वर्ग फुट 41415 रु० में बेची गयी
जिसका कि मूल्यांकन अधिकारी ने मूल्यांकन 95000 रु० में
किया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 195/अर्जन/फि० बाद/78-79:—अतः मुझे विजय भार्गव

आनंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुगार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ---

1. श्री नरायन पुत्र राम रत्न शर्मा, निवासी ग्राम अकबरपुर, नागऊ, फिरोजाबाद

2. श्री अणोक कुमार, अरुण कुमार व अन्य पुत्रगण श्री लोटे लाल शर्मा निवासी ग्राम अकबरपुर, नागऊ, फिरोजाबाद ।

(अन्तरिती)

3. श्री नरायन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख में 30 दिन वी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 38000 रु० में बेची गयी जिसका कि मूल्यांकन अधिकारी आगरा ने मूल्यांकन 60000 रु० में किया है।

विजय भार्गव
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-11-78

मोहर:

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

निकेश सं० 84/प्रजन/खैर/78-79—ग्राम: मुझे विजय भार्गव ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैर, अलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपभारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :

- सर्वश्री रनबीर, चन्द्रपाल पुत्राण राम सिंह निवासी ग्राम बजोता, पी० बजोता जिला अलीगढ़।
(अन्तरक)
- सर्वश्री अमीचन्द्र, मनोरलाल शर्मा पुत्र श्री शिवलाल निवासी वडा० बजोता, जिला अलीगढ़।
(अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 1 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित भूमि व पोस्ट बिजोता, जिला अलीगढ़ 28000 रु० में बेची गयी जिमका कि उचित बाजारी मूल्य 60000 रु० आंका गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-12-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 2920/अर्जन/ब०शहर/78-79—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और जो इससे उपाध्य अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभ पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, पर्यातः:—

1. रामप्रकाश व दयानन्द पुत्रगण श्योराम ग्राम चितमोना
पो० स्थाना, बुलन्दशहर।
(अन्तरक)

2. श्री बालेश्वर पुत्र कालीचरण ग्राम थलहन्तायतपुर,
परगना, स्थाना व जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम चितमोना, प० स्थाना, जिला बुलन्दशहर
45750 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 22-12-78

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसंबर, 1978

निदेश सं० 3088/अर्जन/बु०शहर/78-79—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है) और इसमें उपांबद्ध अनुमूची में और पूरे रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में नहीं करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, मर्दात् :—

1. श्री लक्ष्मी व सोहन लाल पुनर्गण श्री डालचन्द्र
सनी, निवासी मोहन्ला कोट, कस्बा खुर्जा
जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

2. अशोक कुमार व राकेण कुमार पुनर्गण श्री श्याम लालसनी
निवासी मोहन्ला कोट, कस्बा खुर्जा, बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यात्मकों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अभ्यसूची

कुपि भूमि स्थित कस्बा खुर्जा बुलन्दशहर 20,000 रु०
के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, कानपुर

तारीख 22-12-78

मोहर;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निपूण सं० 3560/दै० दून/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो सूची के अनुमार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—456GI/78

1. श्रीमतीं सत्यवती गुण्वा,
28-सी, चक्रता रोड, यमुना कालोनी, देहरादून।
(अन्तरक)
2. श्री हरी मिह पुत्र श्री गद मिह रघुबीर मिह पुत्र श्री ज्ञान मिह, निं. ग्राम नरमाज तहसील नकुड़, जिला महाराजपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस आध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28-सी, चक्रता रोड, यमुना कालोनी देहरादून, 60,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 22-12-78

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निवेश म० 258 प/मेरन/78-79—अन मन्त्री बी० मी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी म० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (आगे इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अंजन्ताकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना मेरिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-5-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मेरुई किसी ग्राम की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित आवित्यों अर्थात् :—

1. श्री लालसिंह पुत्र गंगा सहाय निवासी ग्राम अटौरा डा० मवाना, पर० हमिन्नापुर तह० मवाना जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री राम गण्णा पुत्र काले मिह निवासी ग्राम खड़ेकी जद्दी व गाम मिह व माग मिह व मुन्हैरा व श्याम पत्र पुत्रगण लाल सिंह निवासी ग्राम अटौरा, परगना हस्तिनपुर, डा० मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम अटौरा न० 466 मि./614 है 43,400 रु० में बेची गयी जिसका कि माप्त मूल्य 90113 रु० है।

बी० मी० चतुर्वेदी,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-1-79

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निवेश सं० 367ए/अर्जन/मेरठ/78-79—अत मुझे बी०
मी० चतुर्थी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुनार है तथा जो अनुसूची
अनुमार स्थित है (और इसमें उपांड अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय
मवाना मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 11-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
जो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मेर अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती प्रेमबनी विधवा ईकाराम ग्राम व डा०
परीक्षितगढ़, जिला मेरठ।
(अन्तरक)
- श्री महेशचन्द्र नरेश चन्द्र पुत्र तृतीय गर्भी व
गिवचरण गर्भी पुत्र तृतीय गर्भी, निवासी ग्राम
राजपुर मजरा, परीक्षितगढ़, जिला मेरठ।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कुपि भूमि स्थित ग्राम परीक्षितगढ़, 45,000 रु०
में बेची गयी जिसका कि स्टाम्प मूल्य 1,22,087 रु० है।

बी० स०० चयबेंदी
मदाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 4-1-79

मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० पृ० १०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1979

निरेश मं० ६६/अर्जन/हाथरम/७८-७९—अत मुझे वी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

आर जिमकी मं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के अनुमार में स्थित है (और इसे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय हाथरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती महादेवी स्त्री श्री छन्दू प्रभु किशनदेव राम स्वरूप निवासी निमाना तह० हाथरम, जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गृलाव देवी पत्नी रमेशन व किरणदेवी पत्नी श्री मनद्वान मिह निवासी विमाना डा० विसाना, तह० हाथरम, जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जारी लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित म है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि स्थित विमाना तहसील हाथरम, 27000 रु म इच्छी गयी जिसकी कि स्टाम्प मूल्य 80000 रु है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-1-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

1. श्री छिंदी ग्रामज हरप्रसाद ग्राम वृंदावन, देशपुर

परगना, भोगपुर, जिला कानपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निदेश सं० 13७/अर्जन/पुरवायां/७८-७९—अतः मुद्रा वी० सी० चतुर्वदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (ग्राह इससे उपावद्ध अनुसूची म आर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय पुरवायां मरजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री रामस्वरूप, वावूराम, व रामसेवक मुवेण रामसेवक ग्राम वृंदावन, देशपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके उक्त सम्बन्ध के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हूँ।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरावद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविदा न दिया जा सके।

स्पष्टदोक्टरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित ग्राम वृंदावन, देशपुर जिमका कि खेतफल है 44000 रु. में बेची गयी जिमका कि स्थाप्त मूल्य 88000 रु है।

वी० सी० चतुर्वदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-1-79

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निदण मं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1211—अन: मुझे बी० ए८० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-5-1978 को

पूर्वकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थति:—

1. श्रीमती स्नेहमता बाई पंति श्री भूपालसिंह धारीवाल, निवासी भीलवाड़ा हाल मुकाम मनोरमा गंज; इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार गया प्रसाद जैन, निवासी 92, जानकी नगर, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित समाप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 ए, एरिया 40' × 180' विक्री स्टेट, कालोनी, 21, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर।

बी० ए८० राव
मकाम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एम०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1212—अतः मुझे बी० ए८० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। 1 क मध्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्होंने में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, 3-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्वेषण प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्यांकन के लिए; और/या

(ख) [ऐसी किसी प्राप्त या किसी धारा या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन के लिए;]

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री चन्द्र सेन राव पिता श्री गोविंद राव सतकार, 2. श्रीमती निला सुरी पति श्री रमण कुमार सुरी, दानों निवासी 3. रमाइलो गिरिया, प० बी० रोड, इन्होंने।

(अन्तर्गत)

(2) श्री ब्रज मोहन पिला श्री भोदू नम जी अप्रवाल निवासी 419, महात्मा गांधी मार्ग, इन्होंने। (अन्तर्गत)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के मंबंध में कोई भी आधेष्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर युच्चता की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त निवाल नामील में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकी न पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जबाहर मार्ग, इन्होंने।

बी० ए८० नम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहन:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 चा 43) की धारा

369य (11 अधीन युक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, दस्तावेज़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन द्वेष, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/पक्षी०/भोपाल/78-79/

1213—अतः मुझे बी० एल० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन मकान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1978

को पूर्वोक्त गम्भीर के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण न हुई तिनों आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उसमें बबने में मुविधा के लिए; प्रीरणा।

(ल) ऐसी किसी प्राय या किसी वर या अन्य आस्तियों को जिन्हे भावनाग आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, डिग्न में मुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थीतः—

(1) 1. श्री चन्द्र सेन राव पुत्र श्री गोविन्द राव मतकर व 2. श्रीमती शिला दुर्गा पति श्री गणगुमार दुर्गा, निवासी 3. रेसीडेंसी पार्क्या, पू० बी० एन०, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश पिता श्री लक्ष्मी नागरण निवासी 197, तिलक पथ, इन्दौर।

(अन्तरिती)

(3) किंगयेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उल्लेक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर

बी० एल० राव
मकान प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन धेन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1214—प्रत; मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 10-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष
प्रतिशत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रभुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी के अधीन:—

12—456GI/78

(1) 1. श्री अनंद सेन राव पुत्र गोविन्द राव मतकर
और 2. श्रीमती नीला सूरी पति श्री रमण कुमार
सूरी निवासी 3, रेसीडेन्सी एग्रिया, प० बी० रोड,
इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल,
निवासी 197, तिलक पथ, इन्दौर।
(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीन सूचना के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव
सभ्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-12-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/
1215—अतः, मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० माकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(६) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनु : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, भी. उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के प्रश्नोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः:—

(1) 1. श्री चन्द्रसेन राव पुत्र श्री गोविन्द राव मतकर
और 2. श्रीमती नीला सूरी पत्नी श्री रमण
कुमार सूरी, निवासी 3, रेसीडेन्सी एरिया, ए०
बी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दाम पुत्र श्री नंजमोहन अग्रवाल,
निवासी 819, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; .

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1216—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं० बंगला है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रदृ अनुरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

(1) श्री विनय भास्कर पुत्र श्री टी० एन० भास्कर निवासी 659 नेपियर टाउन जबलपुर (अन्तरक)

(2) श्री जसवन्त राय हांडा पुत्र स्व० श्री डेरामल हांडा निवासी ग्राम पो० ओ० नुकवा जिला बालाघाट। (अन्तरिती)

(3) 1. श्रीमती कमला देवी उपल-पत्नी स्व० श्री सी० एल० उपल, 2. श्री आर० के० उपल, पुत्र श्री स्व० श्री एल० उपल, 3. श्री जे० एम० उपल पुत्र श्री स्व० सी० एल० उपल। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अप होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 650/651, नेपियर टाउन, बलपुर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेज भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह यक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निवेदा सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1217—अतः मुझे बी० एन० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्हौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, भौत अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, प्रयोग:—

(1) श्री महाराज किशन कौल पुत्र श्री नंद लाल जी कौल निवासी 7/1, उषा गंज, इन्हौर। (अन्तरक)

(2) श्री प्रयाम सुन्दर द्विवेदी, पुत्र स्व० श्री हीरा लाल जी द्विवेदी, निवासी 7/1, उषा गंज, इन्हौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कामचाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि माप 4000 वर्ग कुट स्थित 7/1, उषा गंज, इन्हौर।

बी० एल० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/

1218—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कर्ग है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुर्ई किसी आय की आवत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गिमला देवी पत्नी श्री रमेश चन्द्र जी, जनवासीया निवासी 323 एम० जी० रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री लालाराम जी पुत्र श्री बुदुमल चौरासिया, 15/1, कृष्णपुरी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिल बिलिंग बियरिंग नं० 22/2 स्थित वेष्टी अहिल्या मार्ग, जेल रोड, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रकाश माई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1219—अतः मुझे बी० एल० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो धार में स्थित है
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-78
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितरकों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी पाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं
प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रवर्ति:—

(1) श्री किशोरी लाल सूरज मल द्वारा मैसर्स हजारी
लाल किशोरी लाल 68, जवाहर मार्ग, धार।
(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश कुमार, पुत्र श्री नाथू लाल साहू,
निवासी ओसान बाग, कमोद रोड, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्रावधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकायों पर नूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकायों में
से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविकाय द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण:—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान विधिरिंग नं० 188, बाँड नं०
7, बखतावर मिह मार्ग, धार।

बी० एल० राव

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर:

प्रूप प्राई० टी० एन० एम० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1220—अतः मुझे, बी० एल० राव,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसे के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
7-7-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्राप्त हु प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रतिक्रिया (अन्तरकों)
और अन्तरिती (प्रतिक्रियाओं) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों,
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिक्रिया द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए.

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-का
अनुसरण में, भै, 'उक्त अधिनियम' की भारा 269-का
प (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

(1) श्री बालकृष्ण पुत्र श्री लक्ष्मन दास निवासी
14/1, जकड़र बजार, इन्दौर।
(प्रत्यक्ष)

(2) 1. चन्द्रकान्त मणी लाल पारेख निवासी 56
वल्लभ नगर, इन्दौर, 2. श्री सुरेश चन्द्र सुमन-
लाल, चूड़गर, 3. श्री पंकज कुमार, सुमन लाल,
चूड़गर, निवासी 84, वल्लभनगर, इन्दौर।
(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंदु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्ताकरी के पाय
निवित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20/1, सियागंज मैन रोड, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायुक्त
प्रजन रेज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन भोल, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1221—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, तथा जो रीवा में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भलरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भलरण
विधित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) भलरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट ।—

(1) 1. श्री पवन दाम पुव श्री हंसराज सिंधी,
2. श्री प्रीतम दाम सिंधी दोनों निवासी
मोहल्ला धोधर, रीवा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री पुष्पराज सिंह (प्रवयस्क) पुत्र श्री तीरथ
राज सिंह, 2. श्रीमनी उमिला देवी पत्नी श्री
तीरथराज सिंह, निवासी ग्राम मीधी, तहसील
गोपत बनास, जिला सिंधी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जरीरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुत्तमी

पुष्पराज होटल के नाम से प्रतिद्वंद्व बिल्डिंग विपरिण
नं० 1/269 स्थित प्लाट नं० 933 और 935 विक्रम
पुल के पास, मोहल्ला धोधर, रीवा ।

बी० एल० राव,
सक्रम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978
मोहर :

प्रलेप आई० टी० ए० ए० ए०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० मी०/ग्रयु०/१/ग्र० आर०-गा/४५५/मई०/७८-७९—ग्रतः मुझे, अर्जनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मंख्या 26/172 है तथा जो जोर बाज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ये, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धि में नाम्नविलुप्त रूप से गणित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी शन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनाफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अस्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

13—456IG/78

(1) मै० सैफवे एन्टरप्राइज प्रा० लि०, इनके डिप्लोमेटर श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता के द्वारा, निवासी 1170, कृचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी कुट्टी पिलाण, विधवा पत्नी श्री (डा०) पी० पी० पिलाण, निवासी गल-1, हाउस ब्राम, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को वह सूचना गारे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अस्त्रंत के लिए कार्यान्वयिता उत्तरा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अस्त्रंत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 26, ब्लाक नं० 172 है और क्षेत्रफल 1666.66 वर्ग गज है, जोर आग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मैन रोड

पश्चिम : प्लाट नं० 25, ब्लाक नं० 172

उत्तर : लोधी रोड

दक्षिण : मरिम रोड

अर्जनी ओजा,

मक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ।

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निदेश सं० —2971/अर्जन/—अतः, मुझे, ज्योतीन्द्रनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० पुराना स्युनिशिपल होमिंडग नं० 59960 है, जो एम० एम० होमिंडग नं० 147, एम० एम० प्लौट नं० 267 वार्ड नं० 5 गांवी म्युनिशिपल वारपोरेशन गांवी में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सहूई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के, अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मरला प्रभा वाजपेई पत्नी स्वर्गीय ए० टी० वाजपेई और अनावा पोस्ट-रांची जिला रांची (अन्तरक)

(2) श्री काश्मीरी नाल मलहोत्रा द्वारा मैसर्स काश्मीरी वस्तालय पोस्ट रांची जिला रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरानी जमीन का रक्का 10 कट्टा 10 छटांक जिसका स्युनिशिपल मर्वे टोडिल्ग नं० 147, एम० एच० प्लौट नं० 267 वार्ड नं० 5 जो गांवी के अन्तर्गत है जो पूर्णरूप में दस्तावेज नम्रवर्ण 4626 दिनांक 19-5-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निर्वन्धन प्राधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
मध्य प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 28 दिसंबर 1978

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
New Delhi-110011, the 12th January 1979

No. P/1867-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 29th January 1977, Dr. Pramesh N. Kapoor has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 6 months w.e.f. the forenoon of 1st November, 1978 or until further orders, whichever is earlier, in terms of the proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPTT. OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th January 1979

No. A-19020/1/79-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Jha, IPS (1961—Madhya Pradesh) as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 9th January, 1979 and until further orders.

The 20th January 1979

No. K-3, 70-Ad.V.—On expiry of his term of deputation in the Central Bureau of Investigation, Shri K. K. Puri, IPS (1956—Madhya Pradesh) relinquished charge of Office of the Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on the afternoon of 10th January, 1979, and proceeded on 120 days' earned leave. On the expiry of his leave, he will report to the State Government for posting.

S. K. JHA
Deputy Director (Admn.), C.B.I.

New Delhi, the 16th January 1979

No. A-6/71-AD.V.—Consequent on his repatriation from the Shah Commission of Inquiry, Shri A. W. Degwakar, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, assumed the charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from the forenoon of 2nd January 1979.

The 18th January 1979

No. H-8/74-AD.V.—Consequent on his repatriation from Commission of Inquiry on Maruti Affairs, Shri H. P. Singh, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, assumed charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 3rd January 1979.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (F) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 18th January 1979

No. D.I-18/78-Fstt.—The services of Shri S. C. Sharnia, Dy. S. P., EDP Cell, Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Directorate of Co-ordination Police Computers, Ministry of Home Affairs on deputation basis with effect from the forenoon of 7th December 1978.

The 20th January 1979

No. F. 2/25/78-Fstt.—The President is pleased to appoint on ad hoc basis Shri M. S. Hundal, an officer of Punjab State Police presently on deputation to CRPF as Dy. S. P., as Joint Assistant Director (Legal) in the CRPF on deputation basis until further orders.

2. Shri M. S. Hundal handed over charge of the post of Dy. S.P./DAD (Legal) in the Dte. Genl., CRPF on the

forenoon of 22nd November 1978 and took over charge of the post of JAD(L) in the office of G.O. S/III, CRPF New Delhi on the forenoon of 22nd November 1978.

The 22nd January 1979

No. O.II-1089/78-Fstt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. Subhash Chordia, Senior Medical Officer, Base Hospital-1 CRPF New Delhi, with effect from 3rd January 1979 (A.N.).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 20th January 1979

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from Bokaro Shri R. M. Upadhyay, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF HQs, New Delhi with effect from the forenoon of 8th January 1979 vice Shri Sheoraj Singh, Asstt. Commandant, who on transfer to Calcutta relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

R. C. GOPAL
Inspector General/CISF.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 20th January 1979

No. 10/38/78-Ad.I.—The Registrar General, India is pleased to appoint Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Map Analyst in the same office on a purely temporary and ad hoc basis for a period of two months with effect from 1st January 1979 to 28th February 1979, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter. The headquarters of Shri Ram will be at New Delhi.

2. The ad hoc appointment as Map Analyst will not bestow on Shri Ram any claim to regular appointment to the post. The services rendered by him as Map Analyst on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion to any higher post. This ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

V. P. PANDEY
Deputy Registrar General, India.

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 12th January 1979

No. Admn.I/O.O. No. 502/5-5 Promotion/77-79 2239.—The following Accounts Officers of this office retired voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of 30th November 1978, after completion of more than 20 years of qualifying service, in terms of the Govt. of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Fstt(A) dated 26th August 1977.

1. Shri H. R. Chaudhary—Permanent Accounts Officer
2. Shri D. N. Gupta—Officiating Accounts Officer.

The 19th January 1979

No. Admn.I/O.O.-483/5-5/Promotion/77-79/2129.—Shri S. K. Bassi, an officiating Accounts Officer of this Office, has retired voluntarily from Government service with effect from the 30th September, 1978 (A.N.), after completion of more than 20 years qualifying service, in terms of G.I. Ministry of Home Affairs, O.M. No. 25013/7/77-Fstt(A) 26th March 1977.

Shri Bassi entered Govt. service on 7th March 1952 and his date of birth is 15th September 1928.

S.I./- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Adm.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR
PRADESH-I

Allahabad, the 9th January 1979

No. Adm.I/11-144(XV)/250.—The A.G. U.P. I Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this Office until further orders with effect from the dates noted against each:

1. Gokaran Nath Dixit—31st July 1978 F.N.
2. Bhagwan Singh Chauhan—16th October 1978 F.N.
3. Virendra Kumar Srivastava—11th December 1978 F.N.
4. Jamuna Prasad Kureel—16th December 1978 F.N.

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Deputy Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th January 1979

No. OE-I/397.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote Shri P. K. Tiwari, Permanent Section Officer (02/0243) as Accounts Officer w.e.f. 30th December 1978 F.N. in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200.

KRISHNA GOPAL
Senior Deputy Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 3rd February 1979

No. 23/3/78-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by five points to reach 335 (three hundred and thirty five) during the month of December, 1978. Converted to base 1949=100 the index for the month of December, 1978 works out to 407 (four hundred and seven).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director.

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 10th January 1979

No. 1/79/A/F-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Sudhansu Kumar Datta, Subst. & Permt. Asstt., Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31st December 1978 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th January 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/17/78-Admn(G)/490.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri K. I. Dube, Junior Analyst (Gazetted—Group 'B') in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in a substantive capacity with effect from 1st December, 1978.

RAJINDRA SINGH
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 15th January 1979

No. 12(155) '61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Lakshminarasimhaiah, Director (Gd. I) (Mechanical), Directorate of Production Centres, Ettumanur and Tiruvala, Ettumanur as Director (Gd. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs), Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 1st January, 1979.

2. Consequent upon his appointment, Shri R. Lakshminarasimhaiah relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (Mechanical) in Directorate of Production Centres, Ettumanur and Tiruvala, Ettumanur on the afternoon of 8th December, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs) on the forenoon of 1st January, 1979 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.

No. 12(538) /66-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation for two months as Indian Expert for the Project of the Economic and Social Council for Asia and Pacific, Bangkok on the Integrated Industrialisation in Non-Metropolitan Areas, Shri S. C. Pandey relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical), in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 5th January, 1979.

The 17th January 1979

No. A-19018(18)/73-Admn (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. Duraiswamy, temporary Assistant Director (Gr. I) (Electrical) in the Extension Centre, Pondicherry, from Government service with effect from the afternoon of December 4, 1978.

2. This Office Notification of even number dated December 19, 1978 is hereby cancelled.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th January 1979

No. A-1/1(1130).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. V. Sivaramakrishnan, Supdt. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras with effect from the forenoon of 26th December 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th January 1979

No. E.11/(7).—In this Department's Notification No. 1-11/(7) dated 11th July, 1969 :—

Under Class 2—NITRATE MIXTURE
(i) in the entry "MONOTHANOL AMINE-BASED SLURRY EXPLOSIVES" for the figures "30-6-1978" the figures "31-3-1980" shall be substituted; and

(ii) in the entry "TRIETHANOL AMINE—BASED SLURRY EXPLOSIVES" for the figures "30th June 1978" the figures "31st March 1980" shall be substituted.

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th January 1979

No. A-19011(239)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alok Basu to the post of Assistant Controller of Mines in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th December 1978 until further orders.

No. A-19011(249)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alokash Majumdar, Senior Technical Assistant (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th December, 1978, until further orders.

The 17th January 1979

No. A-19011(250)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alokash Majumdar, Senior Technical Assistant Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th December, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office.

Survey of India

Surveyor General's Office
Dehra Dun, the 20th January 1979

No. C-5456/707-- I. The entries against Shri M. S. Rayat, Surveyor, Sel. Grade under Columns 'Unit/Office' and 'With effect from' as notified vide this office Notification No. C-5457/707 dated the 21st December 1978 are amended to read 'No. 26 (Photo) Port (NC), Dehra Dun' and '7th November 1978 (FN)' instead of 'No. 26 (Photo) Party (NWC), Dehra Dun' and '13th November, 1978 (FN)'.

II. The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri Hari Prasad, Surveyor Sel. Gd.	No. 65 (TCM) Party (Shriai), New Delhi.	28-10-78 (FN)
2.	Shri Gita Ram Surveyor Sel. Gd.	No. 28 Party (NWC) Dehra Dun	13-11-78 (FN)
3.	Shri Birendra Singh Rawat Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 1 Drawing Office (MP) Dehra Dun.	7-12-78 (FN)
4.	Shri Madan Lal Sharma Survey Asstt. Sel. Gd.	No. 1 Party (NC) Dehra Dun.	21-12-78 (FN)
5.	Shri Keshab Ram Survey Asstt. Sel. Gd	No. 33 Party (NC), Dehra Dun.	22-12-78 (FN)

K. L. Khosla
Major General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 23rd January 1979

No. F. 11-9/78-A-1.—Shri B. S. Kalra, Offg. Administrative Officer on *ad hoc* basis is appointed as Administrative Officer on regular temporary basis with effect from 1st June 1978, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th January 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. K. Sharma, officiating as Senior Administrative Officer, All India Radio, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 6th January, 1979 until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISIONS

Bombay-400 026, the 12th January 1979

No. A-12026/1/77-Est. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. R. Naidu, officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Cameraman in the same office with effect from the afternoon of the 28th December, 1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
For Chief Producer

Bombay-26, the 10th January 1979

No. 5/6/62-Est. I(Pt).—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri K. C. Bikhchandani, Offg. Superintendent Films Division, New Delhi to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the 1st December, 1978 (FN) until further orders.

N. N. SHARMA
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 19th January 1979

No. A. 12026/20/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Krishan Dass, a permanent Assistant, to officiate as Supervisor in this Directorate on usual deputation terms with effect from 1st January, 1979 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Haridabad-121001, the 18th January 1979

No. A-19025/112/78-A. III.—Shri C. M. Girdhar, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 3-11-1978 (A.N.) upto 31-3-1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 19th January 1979

No. A-19023/35/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., the following officers who are working as Marketing Officer (Group-I) on *ad hoc* basis, have been promoted to officiate as Marketing Officer (Group-I) on regular basis with effect from 18-12-1978, until further orders.

1. Shri S. P. Singh
2. Shri S. P. Bhasin
3. Shri K. Suryanarayana
4. Shri S. K. Sobharwal
5. Shri S. Subba Rao
6. Shri R. Subramaniam
7. Shri V. Balaramamurthy
8. Shri A. C. Guin
9. Shri Phillip Ittyerah
10. Shri M. K. P. Menon
11. Shri T. M. Karunakaran
12. Shri R. Narasimhan.

No. A-19023/57/78-A. III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31-3-1979 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri M. Chakraborty
2. Shri S. B. Chakravarty
3. Shri R. V. Kurup
4. Shri S. V. Krishnamurthy.

The 20th January 1979

No. A-19023/75/78-A. III.—The short term appointments of the following Officers in the posts of Marketing Officer (Group II) have been extended as indicated against each or until regular appointments are made, whichever is earlier :—

1. Dr. G. K. Pallan—from 11-12-1978 to 31-3-1979.
2. Dr. (Smt.) R. S. Nchete—from 12-12-1978 to 31-3-1979.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 10th January 1979

No. DPS/23/77-I-11/1285.—Director, Purchase & Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri L. H. Bagwe, a temporary Stoickeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—760—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate w.e.f. the forenoon of August 28, 1978 to the afternoon of October 27, 1978 *vice* Shri Mohan Singh, Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, granted leave.

The 15th January 1979

No. DPS/23(4) 77-Ist./1955.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate for the period indicated against each :—

1. Shri K. T. Parmeshwaran—from 18-11-1978 to 6-1-1979.
2. Shri A. H. Sadarangani—from 7-11-1978 to 16-12-1978.

3. Shri R. K. Iyer—from 1-12-1978 to 6-1-1979.

4. Shri K. L. Ahluwalia—from 26-12-1978 to 25-1-1979.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Bombay-400001, the 17th January 1979

No. DPS/4/3(5)/77-Admn/2104.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity to the posts of Accounts Officer II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from April 1, 1978.

Sl. No.	Name	Present post held
1.	Shri Kuinbakonam Arabamutu Srinivasan	Accounts Officer III in B.A.R.C.
2.	Shri Thillastanam Swaminathan Ganapati.	Accounts Officer III in D.P.S.
		K. P. Joseph Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 16th January 1979

No. AMD/1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Mahendra Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-12-1978 until further orders.

S. Y. GOKHALE
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 16th January 1979

Ref. No. HWPs/Estt/1/T-19/253.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundyil Thomas a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on *ad hoc* basis, from November 1, 1978 (FN) to December 2, 1978 (AN) *vice* Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

The 20th January 1979

No. 05052/78/339.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Jitendra Manil Shah, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th January 1979

No. A. 12034/4/78-EA.—Shri Amar Sharma, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, retired from Government service on the 31st December, 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 3rd January 1979

No. A 31014/1/78-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Officers, in substantive capacity in the grade of Assistant Fire Officer in the Civil Aviation Department with effect from 1-5-1978.

Sl. No.	Name	Station of present posting	Date of confirmation as Asstt. Fire Officer
1.	Shri R. K. Sarin	Office of the Regional Director, Delhi Region Safdarjung.	1-5-78
2.	Shri K. P. Ghosh Dastidar	Office of the Regional Director, Calcutta Region Calcutta.	1-5-78
3.	Shri B. B. Deb.	Office of the Aerodrome Officer, Hyderabad.	1-5-78

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th January 1979

No. A 12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint the following four officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in officiating capacity w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Stn. of posting	Date of taking over charge
S/Shri			
1.	Ravi Prakash Tech. Officer	Director, Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.	25-11-78 (FN)
2.	Arvind Kumar, Tech. Officer	Controller of Comm., 15-12-78 Aero. Comm. Stn., Calcutta	(FN)
3.	T.N. Venkataramana, Comm. Officer	Controller of Comm., 6-12-78 Aero Comm. Stn., Madras.	(AN)
4.	Pinaki Nath Sanyal, Comm. Officer.	Controller of Comm., 14-12-78 Aero. Comm. Stn., Calcutta.	(FN)

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each for a period of six months or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Present Stn. of posting	Stn. to which posted.	Date of taking over
1.	Shri P. S. Mullick, Technical Officer	Director, Radio Const. Radio & Dev. Units, N. Delhi.	Director, Const. & Dev. Units, N. Delhi.	21-11-78 (FN)
2.	Shri K. K. Narayan, Technical Officer	Controller of Comm., Aero. Comm. Stn., Calcutta.	Controller of Comm., Aero. Comm. Stn., Calcutta.	2-12-78 (FN)

S. D. SHARMA
Deputy Director of Admn.

New Delhi, the 18th January 1979

No. A. 32013/3/78-EL.—The President is pleased to appoint Shri I. R. Menon, Deputy Director (Regulations & Information) to the post of Director, Regulations & Information on *ad hoc* basis *vice* Shri R. V. Ranadive, Director, Regulations & Information proceeded on deputation abroad, for a period of six months with effect from the 31st July, 1978 (afternoon).

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th January 1979

No. 1/3/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. L. Gandhi, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 16-11-1977 to 10-12-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy, on *ad hoc* basis.

The 17th January 1979

No. 1/452/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. Balasubramanian, Tech. Asstt., Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office/Headquarters office, Bombay for the period from 21-3-1978 to 29-9-1978 (both days inclusive), against short term vacancies on *ad hoc* basis.

No. 1/470/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. Selvam, as Assistant Engineer in Switching Complex, Bombay, w.e.f. the forenoon of 16th October, 1978, and until further orders.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.),
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 22nd January 1979

No. 16/220/74-Fsts-I.—On the expiry of his period of deputation as Assistant Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, the services of Shri P. A. Abraham, an officer of the Kerala Forest Service are replaced at the disposal of the State Government with effect from the afternoon of 30-6-1978.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 16th January 1979

No. 1.—Consequent upon his promotion as Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri A. M. Loya, Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate, has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B', M.O.R.I., Nagpur in the forenoon of 1-12-1978, relieving Shri S. W. Agwan of his additional charge.

M. R. PAROOLAKER
Collector

Kanpur, the 19th January 1979

No. 2/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' *vide* Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/392/78 dated 28-11-1978 issued endt. C. No. II-22-Estt/78/57941 dated 28-11-1978, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- Shri S. P. Saxena assumed the charge of Supdt. (Preventive) Kanpur in the forenoon of 1-12-1978.

The 15th January 1979

No. 5/1979.—Shri A. N. Dar officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' I.D.O. Agra relinquished the charge of Superintendent, I.D.O., Agra in the afternoon of 31-12-1978 to Shri _____ and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-12-1978.

No. 6/79.—Shri Kulwant Singh officiating Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Ghaziabad-I division handed over the charge of Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in the afternoon 30-11-1978 to Shri C. B. Celly, Supdt. and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-11-1978.

The 16th January 1979

No. 7/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Allahabad Estt. Order No. 131/1978 dated 14-7-1978 issued under endt. C. No. II(39)28-ET/78/14766 dated 17-7-1978 and this office Estt. Order No. I/A/316/78 dated 21-10-1978 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/50087 dated 21-10-1978 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200—Shri T. S. S. Bedi took over the charge of Supdt. (Tech.), Central Excise, I.D.O. Agra in the forenoon 15-12-1978.

K. L. REKHI
Collector

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 10th January 1979

No. 1/1979.—Dr. S. K. Basu Mallik, officiating P.A. to Chief Medical Officer of this Railway has expired on 7-1-1979 (F.N.).

No. 2/1979.—Shri Amolak Ram, Law Officer/Estate Officer of General Administration who was on deputation in Balmer Lawrie & Co. Ltd. Calcutta has finally retired from Northern Railway w.e.f. 31-12-1978 (A.N.).

R. SRINIVASAN
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 18th January 1979

No. E/283/III/11(0).—1. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri A. L. Barua AAO (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale purely on *ad hoc* measure as Senior Accounts Officer with effect from 8-5-1978.

2. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri B. S. Dua, AAO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Senior Accounts Officer with effect from 1-7-1978.

3. E/283/142 Pt. III(0).—Shri B. L. Das, ASO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Security Officer with effect from 1-7-1978.

4. E/283/III/142 PIII(0).—Shri G. C. Kukreti, IPF (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Assistant Security Officer with effect from 1-7-1978.

5. E/283/30 PVI(0).—Shri A. N. Sur, Assistant Programmer (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Programmer with effect from 7-7-1978.

6. E/283/30 PVI(0).—Shri R. N. Gupta, OS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as ADGM with effect from 5-8-1978.

7. E/283/30 PVI(0).—Shri B. I. Chatterjee, CA to CCO (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 8-8-1978.

8. E/283/30 PVI(0).—Shri A. K. Ghosh, CA to CSTE (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 10-8-1978.

9. E/283/120 PIII(0).—Shri Sukumar Roy, CC (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Assistant Controller of Stores with effect from 11-8-1978.

10. B/283/30 PVI(0).—Shri P. K. Mitra, SLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 14-8-1978.

11. E/283/148(0).—Mrs. Latika Mukherjee, Hd. Mistress (Cl. II) is appointed to officiate in Sr. scale as Principal, w.e.f. 27-8-1978.

12. F/283/148(0).—Shri K. K. Mukherjee, Headmaster (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Principal with effect from 27-8-1978.

13. F/283/148(0).—Shri C. C. Routh, Head Master (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Principal, with effect from 27-8-1978.

14. E/283/III/54 PVIII(0).—Shri C. Sen Gupta, CMD (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Mechanical Engineer with effect from 1-9-1978.

15. F/283/III/54 PVIII(0).—Shri A. C. Das, AME (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as PA to CME with effect from 7-9-1978.

16. E/283/III/129/PIII(0).—Shri B. K. Sen Gupta, ACOS (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as DCOS with effect from 15-9-1978.

17. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri B. N. Bhattacharjee, Chief Statistic (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Compilation Officer with effect from 16-9-1978.

18. E/283/30 PVI(0).—Shri A. K. Sen OS (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 18-9-1978.

19. PNO/AD/65/215/PIV.—Shri H. N. Dutta, Section Officer (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Accounts Officer with effect from 18-9-1978.

20. PNO/AD/65/215/PIV.—Shri A. H. Khan, AAO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Sr. Accounts Officer with effect from 25-9-1978.

B. VENKATARAMANI
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
The Family Relief Society Limited*

Gwalior, the 15th January 1979

No. 141-Tech/6819.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Family Relief Society Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Machinery & Foundry Works Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 1316/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Machinery & Foundry Works Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Karnataka Foundries Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 1388/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Karnataka Foundries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Engineering Castings and Components Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 2969/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Engineering Castings and Components Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Kamadhenu Construction Company Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 3072/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kamadhenu Construction company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX

Dharwar, the 9th January 1979

CORRIGENDUM

Notice No. 241/78-79/Acq.—The notice u/s. 269(D) of the Income-tax Act, 1961 dated 25-10-1978 was published in Part-III Section I of the Gazette of India at page No. 7823 (English) and page No. 7701 (Hindi). On page 2 of the notice name of the transferor may be read as "Smt. Panna Gajanana Nagwenkar" instead of "Smt. Prabha Gajanana Nagavekar."

P. RANGANATHAN
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
DHARDAR-580 004

Dharwar-580 004, the 17th January 1979

Ref. No. 243/78-79/Acq.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwad being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 377/A/1A1/A

5-B ..

D

situated at Opposite to Old Head-Post Office near Dr. Tavaregeri's Nursing Home, Dharwad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar Under Document No. 331/Vol-1053 on 24-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balanagouda Adopted S/o
Shri Basanagouda Patil,
Contractor, Daroga Galli,
Mangalawar Peth, Dharwad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shrinivas Kulkarni,
Near Dr. Tavaregeri's Nursing Home,
Dharwad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 331/vol. 1053 Dated 24-6-1978]
The Property bearing C. S. No. 377/A/1A1/A consisting

5-B

D

Land and Building in three Blocks situated Opposite to Old Near-Post Officer near Dr. Tavaregeri's Nursing Home, Dharwad.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 17-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR III/AP 284/78-79.—Whereas I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 320, Hissa No. 19 (Pt) admeasuring 2144 sq. yds situated at village Kurla (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1978 (Doc. No. R 3224/71) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Julius Gabriel Rodrigues,
Blue Heaven, Bandra T.P.S. 4,
Bombay-50.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shehzadali Amjadali
2. Shri Wajidali Rowabhai Khan
3. Shri Mansood Ahmed Munir Ahmed
4. Chhedikan Badulkhan
5. Shri Barkatali Talukdar
6. Shri Bashirahmed Munir Ahmed
7. Shri Abdul Majid Mohamed Siddik
8. Shri Neksoodali Haji Mustafa
9. Mohamed Rafi Abdul Karim
10. Shri Abdul Shakoor Poujdur
11. Shri Rafi Ahmed Moulabux
12. Shri Abdul Manwan Haji Abdul Sattar
13. Shri Rehmatali Bekaru
14. Shri Basatul Imamuddin
15. Shri Mohamed Nizam Gulam Mohamed
16. Shri Abdulla Janmohamed
17. Shri Affatali Moharamali
18. Shri Mohamed Bashir Mohamed Yasin
19. Shri Mohamed Yasin Haji Shahadat
20. Shri Mersoobbi W/o Sayed Agbfarali.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land in the village of Kurla South Salsette Greater Bombay Suburban District (North Greater Bombay) situate at Kurla on New Agra Road, admeasuring 2144 sq. yards equal to 1945.67 sq. metres or thereabout bearing Survey No. 320 Hissa No. 19 part bounded by Dr. Sawlani's property on North by S. No. 320 Hissa No. 19 part on the West by Agra Road, South by S. No. 320 Hissa No. 19 part and S. No. 303 H. No. 3 part property of Coorla Mills East by S. No. 320, Hissa No. 19 part property of Coorla Mills.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sita Ram,

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal Tripathi.

(Transferee)

(3) Shri Sita Ram.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57-RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 18th January 1979

Ref. No. R/29/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. C-15/274, situated at Mohalla Lallapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 15-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house No. C-15/274 measuring 169.63 sqr. mtr. situated at Mohalla Lallapura, Varanasi and all that description of property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 148 duly registered on 15-5-1978 at the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-1-1979

Seal :

FORM ITNS —

(1) Rani Sahiba Jodhiji Wd/o
Thakur Brijraj Singh
Siwar House, Ajmer.

(Transferor)

(2) Smt. Anand Kanwar w/o Sh. Udai Bhan Singh and
Sh. Sangram Singh S/o Sh. Fathesingh,
Srinagar Road, Ajmer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 72/32, situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ajmer on 29-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 72/32, Srinagar Road, Siwar house Ajmer and more fully described in the conveyance deed registered by S.R.A. Ajmer *vide* registration No. 1855 dated 29-5-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 16-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/577.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land, situated at Fatchpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-6-1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sh. Jugal Kishore Jalan,
7, Digamber, Jain Temple Road,
Calcutta,
2. Laxmi Dutt Jalan, Jalandhar, Punjab.
3. Hari Pd. Jalan, Jaipur, Rajasthan.
4. Purshotamlal Jalan,
7, Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
5. Kishan Deo Jalan,
109 M.G.D. Road, Calcutta-7..

(Transferors)

- (2) 1. Abdul Aziz
2. Mohd. Alias
3. Gulam Nabi
4. Gulam Sarwar
5. Abdul Aziz
6. Abdul Gaffar
7. Liyakat Ali
8. Mohd. Ali
9. Fatch Mohammad
10. Esmail
11. Mohd. Hussan
12. Gaffar
13. Basheer
14. Subedar Darab Khan Fatehpur Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agri. land 5 Bighas 17 Bishwas, situated at New Ward No. 1 Fatehpur and more fully described in the sale deed, registered by Registering Authority, Calcutta vide registration No. 2884 dated 8-6-1978.

**SHRI SHANKER
Competent Authority**
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/576.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. Land, situated at Fathepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sh. Jugal Kishore Jalan,
7 Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
2. Laxmi Dutt Jalan, Jalandhar, Punjab.
3. Hari Pd Jalan, Jaipur, Rajasthan.
4. Purshotamal Jalan,
7 Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
5. Kishan Deo Jalan,
109, M.G.D. Road, Calcutta-7.

(Transferors)

S/Shri

- (2) 1. Abdul Aziz
2. Mohd. Alias
3. Bulam Nabi
4. Gulam Sarwar
5. Abdul Aziz
6. Abdul Gaffar
7. Liyakat Ali
8. Mohd. Ali
9. Fateh Mohammad.
10. Esmail
11. Mohd. Hussan
12. Gaffar
13. Basheer
14. Subedar Darab Khan Fatehpur Sikar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land situated at New Ward No. 1 and more fully described in the sale deed registered by Registering Authority Calcutta, vide registration No. 2858 dated 7-6-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM TINS

(1) Shri V. K. Lodlay,
Dy. Manager, D.C.M. Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Major General F. Bhatia S/o E. C. Bhatia,
Mala Road, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/606.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 122, situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 24-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 122 measuring 9600 sq. ft. situated at Dusshera ground Scheme, Kota and more fully described in the sal-deed registered by S.R. Kota vide his No. 691 dated 24-5-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 22-1-1979

Seal :

FORM II NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. LDH/4/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Kothi No. 167J measuring 383 Sq. yards, in Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ludhiana in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Gurdev Kaur w/o Shri Kartar Singh, s/o Niranjan Singh, r/o Buri Nakalian, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana through Shri Amarjit Singh s/o Bachan Singh Village Dango, Teh. & Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Hardev Singh s/o Shri Bakhshish Singh, r/o Village Gagra Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana Through Shri Surinder Singh attorney 167-J, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 167-J measuring 383 Sq. yards situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 442 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

O. P. BANSAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—456GI/78

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. LDH/5/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Annexe Plot No. 57-D, measuring 1003 sq. yards in Kartar Singh Sarabha Nagar, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manjinder Singh s/o Ujagar Singh, r/o Village Narangwal, Distt. Ludhiana through Shri Dhanna Singh s/o Shri Chanan Singh, Village Narangwal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Paranjit Kaur w/o Shri Pritam Singh, r/o 57-D, Sarabha Nagar, Ludhiana & Shri Darshan Singh s/o Sh. Santokh Singh, r/o Village Basraon, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexe Plot No. 57-D, measuring 1003 sq. yards situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 462 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

O. P. BANSAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Avtar Singh Sekhon,
r/o 118, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Swaran Singh Ahluwalia and
Shri Charanjit Singh Ahluwalia,
Model Town, Link Road,
Bharat Nagar Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri M. S. Yadav and
Shri N. C. Tandon,
r/o 118, Sector 18-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. CHD/145/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing;

House No. 118, Sector 18-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 118, Sector 18-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 154 of May, 1978 of the Registering Officer Chandigarh).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

O. P. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. CHD. 151, 78-79. Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 3101, Sector 21-D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maya Chawla, c/o
M/s Chawla Cloth House, Sector 22-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Sarwan Singh,
H. No. 3101, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3101, Sector 21-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 193 of May, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.

O. P. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dalip Kaur wd/o
Maharaja Bhujinder Singh,
r/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jaswinder Singh s/o Shri Pritam Singh,
v. Ghalori (Patiala)
Village Ranbirpura, Teh. Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. PTA/118/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 46 kanals 19 marlas situated at Village Ghalori, Teh. Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1978 than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 kanals 19 marlas, situated at Village Ghalori, Tehsil, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 782 of May, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

O. P. BANSAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. IDH/33/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. -B-XX-1192, Sarabha Nagar, Ludhiana on plot No. 38-D situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parshotam Singh s/o Sh. Gurcharan Singh, r/o 4708 Ridge Carret Var Zinia 23803-U.S.A. through Mukhtiar-1-am Shri Mit Singh Banipal s/o Shri Gurcharan Singh, r/o 4-D, 16-A, Janak Puri, Vidya Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Dalip Singh and Smt. Savinder Kaur w/o Shri Swaran Singh, r/o 38-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 38-D, Sarabha Nagar, Ludhiana (M.C. No. B-XX-1192).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 792, of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

O. P. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1979

Seal :

FORM ITNS --

(1) Shri Parkash Chand Jairath, s/o
Shri Sansar Chand Jairath
Resident of 40 Syed Amir Ali Avenue,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Jain, s/o
Shri Sumer Chand Jain
Resident of 36, Sector 19-A,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. CHD/140/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Free hold middle Residential plot No. 35 (Mew No. 168) Sector 19-A, situated at Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold middle residential plot No. 35 (new 168) measuring 1305.3 Sq. yds. situated in Sector 19-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 107 of May, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Harbans Kaur, w/o Sh. Prabhaibad Singh,
r/o 202, Sector 19-A, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri D. N. Bhasin s/o
Shri Nanak Chand Bhasin and
Mrs. Kanta Bhasin w/o Shri D. N. Bhasin,
r/o 202, Sector 19-A, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. CHD/154/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. 202, Sector 19-A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 202, Sector 19-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 221/1 of May, 1978 of the Registering Authority, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarla Devi w/o Shri Raj Pal,
r/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. AML/39/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas situated in village Jasran near Gobindgarh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16--456GI/78

(2) S/Shri Gurmit Singh,
Ravinder Singh,
Gurdeep Singh,
Charanjit Singh,
minor sons of Shri Bhag Singh Foreman,
M/s Knushal Steel Rolling Mills,
Village Jasran,
Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas, situated at Village Jasran, near Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 137 of May, 1978 of the Registering Authority, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. DS/22/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas, situated at Ram Nagar Chuni Wala alias Devigarh, Sub-Tehsil Dudan Sudhan, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dudan Sudhan, in May, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Lal s/o Sh. Wadhwa,
r/o Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) (a) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Dalip Singh,
- (b) Sh. Romesh Kumar s/o Sh. Ved Parkash,
- (c) M/s Ram Sarup & Sons, through Karta
Sh. Ram Sarup s/o Sh. Sondhi Ram,
- (d) Sh. Mukhi Ram s/o Hansa Ram,
- (e) Sh. Ram Kishan s/o Sh. Chiranji Lal &
Kewal Krishan s/o Sh. Daya Ram,
- (f) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Dhari,
- (g) Sh. Babu Ram s/o Sh. Sohan Lal &
Sh. Swaran Singh s/o Sh. Waryam Singh,
- (h) Amir Chand, Sat Pal s/o
Sh. Gurdit-tamal &
Vijay Kumar s/o Sh. Des Raj,
- (i) Sh. Pirthi Chand s/o Sh. Chattar Mal,
- (j) Sh. Om Parkash s/o S. Mangal Ram, &
Sh. Sohan Lal s/o Sh. Badri Mal
- (k) Sh. Ram Daya s/o Sh. Ganga Ram,
- (l) Sh. Gopal Chand & Sh. Jagdish Chand s/o
Sh. Ram Chand,
- (m) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Raunak Ram,
- (n) Sh. Pawan Kumar & Baldev Raj,
s/o Sh. Banarsi Dass,
- (o) Sh. Hans Raj & Baldev Raj, s/o
Sh. Tirath Ram,
- (p) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram,
all residents of Adda Devigarh,
Sub-Tehsil Dudan Sudhan,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas, situated at Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh, Sub-Teh. Sudan Sudhan, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 93 of the Registering Officer, Dudan Sudhan, Distt. Patiala of May, 1978).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Banta Ram s/o Shri Wadhwa,
r/o Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh,
(Transferor)

(2) (a) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Dalip Singh,
(b) Sh. Romesh Kumar s/o Sh. Ved Parkash,
(c) M/s Ram Sarup & Sons, through Karta
Sh. Ram Sarup s/o Sh. Sondhi Ram,
(d) Sh. Mukhi Ram s/o Hansa Ram,
(e) Sh. Ram Kishan s/o Sh. Chiranjit Lal &
Kewul Krishan s/o Sh. Daya Ram,
(f) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Dhari,
(g) Sh. Babu Ram s/o Sh. Sohan Lal &
Sh. Swaran Singh s/o Sh. Waryam Singh,
(h) Amir Chand, Sat Pal ss/o
Sh. Gurdittamal &
Vijay Kumar s/o Sh. Des Raj,
(i) Sh. Pirthi Chand s/o Sh. Chattar Mal,
(j) Sh. Om Parkash s/o S. Mangal Ram, &
Sh. Sohan Lal s/o Sh. Badri Mal
(k) Sh. Ram Daya s/o Sh. Ganga Ram,
(l) Sh. Gopal Chand & Sh. Jagdish Chand ss/o
Sh. Ram Chand,
(m) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Raunak Ram,
(n) Sh. Pawan Kumar & Baldev Raj,
ss/o Sh. Banarsi Dass,
(o) Sh. Hans Raj & Baldev Raj, ss/o
Sh. Tirath Ram,
(p) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram,
all residents of Adda Devigarh,
Sub-Tehsil Dudan Sudhan,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 7 biswas, situated at Ram Nagar
Chuni Wala, alias Devigarh, Sub-Teh. Dudan Sudhan, Distt.
Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed
No. 93 of the Registering Officer, Dudan Sudhan, Distt.
Patiala of May, 1978).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. DS/21/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 5 bighas 7 biswas, situated at Ram Nagar Chuni Wala (Devigarh) Sub-Tehsil Dhudan Sudhan, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudan Sudhan, in May, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. PTA/71/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 5238 Sq. yds., situated at Village Alipur Areaian, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Amar Singh s/o S. Jhanda Singh, Pritpal Singh s/o Amar Singh Village Alipur Areaian, Teh. Patiala,

(Transferor)

(2) (i) Sh. Sahib Rai Khosla s/o Shri Khidmat Rai Khosla, Shri Khidmat Rai Khosla, (ii) Karan Bhushan s/o Shri Muni Lal Raghu Majra, Patiala. (iii) Baldev Singh s/o Ganga Ram, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 5238 sq. yds. situated at Village Alipur Areaian Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1951 of 6/78 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Kulwant Singh s/o Sh. Amar Singh,
Village Alipur Areain, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) S. Sohan Singh s/o S. Ganda Singh,
Smt. Amrit Kaur w/o Sh. Kulwant Singh,
r/o Village Alipur Arealan, Teh. Patiala
Shri Sahib Rai s/o Shri Khidmat Rai
Village Raghumajra, Teh. Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1079

Ref. No. PTA/72/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot measuring 4190 sq. yds.
situated at Village Alipur Areain, Teh. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 4190 sq. yds situated at Village Alipur Areain Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1952 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. LDH/17/78-79.—Whereas I NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. B-XX-1065, situated on Ferozepur Road, situated at near Old Octroi Post, Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978 **which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Padam Dass & Co. (Woollen Mills), Ferozepur Road, Ludhiana through Sh. Satish Kumar Dhanda s/o Sh. Gurcharan Dass, Smt. Sudershan Dhanda wd/o Nam Adhar Dhanda, Vijay Kumar, Surinder Kumar, Inder Kumar, ss/o Sh. Padam Dass, Sh. Sarabjit s/o Sh. Nam Adhar, Smt. Phulan Rani wd/o Sh. Nand Kishore, Sh. Inderpal Dhir s/o Sh. Milkhi Ram, Sh. Parmodh Kumar Dhir s/o Shri Inderpal Dhir, all r/o of Ludhiana.

(Transferors)

(2) M/s. Ram Jain Hosiery, Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana, through Sh. Ram Kumar Jain, Om Parkash Jain, Jaininder Kumar Jain, Surinder Kumar Jain, ss/o Sh. Amar Nath & Smt. Satwanti wd/o Sh. Amar Nath Jain, partners of the firm.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-XX-1065, situated on Ferozepur Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 566 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. LDH/21/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 17322 Sq. yds. situated at Village Bhaura, Teh. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Dewan Kirpa Ram Saran Dass, Mandi Kesarganj Ludhiana through Dewan Ram Saran Dass, Rajinder Kumar Subash Chander, Brijbushan s/o Dewan Ram Dass &/o Sh. Kirpa Ram &

M/s. Sughru Mal Ram Dass, through Dewan Girdhari Lal and Dewan Om Parkash ss/o Dewan Ram Dass of Gur Mandi, Ludhiana.

(Transferors)

(2) M/s Nev Bharat Banaspati & Allied Industries, through Kishore Lal s/o Ram Rattan, r/o Doraha.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 17322 sq. yds. situated at Village Bhaura, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 601, of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 25-1-1979

Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-I

Bangalore-I. the 10th November 1978

C. R. No. 62/18014/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing Corporation Door No. 32, Division No. 17), situated at Kuber Sahujee lane, now called Dewan Surappa lane, Chickpet cross, Bangalore-53 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 434/78-79 on 5-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Sonabai alias Venkamma, w/o Shri B. G. Subba Rao Sahujee.
2. Sri Ganesh Sahujee alias B. S. Ganesh Rao, s/o Shri B. G. Subba Rao Sahujee both residing at premises No. 8, First Block, III Cross, Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferors)

(2) Smt. Periyanayaki w/o Sri K. Ramaswamy, P/r. M/s. Apsara Traders, 1-18, Dewan Surappa lane, Chickpet, Bangalore-560053

(Transferees)

Main tenant

(3) (i) M/s Devichand Pannaji and Co.

Sub tenant :

(1) M/s P. T. Kandaswamy Mudaliar

(2) M/s Panna Textiles.

[Person in occupation of the property]

(4) 1. Sri P. Pragchand Rathod
S/o late Punamchand, Huriopet, R.T. Street, Cross, Bangalore.

2. Sri Moolchand s/o Jethmal, D.S. Lane, Chickpet Cross, Bangalore.

3. Sri Mohanlal D. Jain,
S/o late Devichand, P/r of M/s. Devichand Pannaji and Co., No. 32, D.S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 434/78-79, dated 5-5-1978) Premises bearing corporation Door No. 32, Division No. 17, Kuber Sahujee lane, now called Dewan Surappa lane, Chickpet cross, Bangalore-53.

Boundaries :

E : Pamadi Subrama Setty's shop.

M : Himatmal's shop.

N : Kubera Sahujee lane and

S : Devichand Pannalal building.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd November 1978

C.R. No. 62/18572/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, 417, 18th Main, IV Block situated at Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 391/78-79 on 4-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17 -456G/1/78

(1) Sri K. V. Subramanyam
S/o Sri K. S. Venkataram,
No. 417, 18th Main, IV Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. N. Gangamma
W/o Sri H. Dasanna,
No. 3 Krishna Road, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 391/78-79 Dated 4-5-78]
Property bearing No. 417, 18th Main, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

E : 18th Main Road.
W : Site No. 392.
N : Site No. 418.
S : Site No. 416.

P. RANGATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-11-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December 1978

Ref. No. C.R. No. 62/18137/78-79/ACQ/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90.00 Acres of Sagu Cardamom land from out of Sy. No. 6/1 of 166.40 acres situated at Thannimani Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at H.Q. Sub-Registrar, Mysore Document No. 196/78-79 Mysore I/c. on 10-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. S. V. S. Rao S/o Late Sri S. Venkatramana Bhat,
2. Arvind S. Rao,
3. Vasant S. Rao,
4. Ramesh S. Rao,
5. Bhaskar S. Rao,
6. Chandrashekhar S. Rao.
(2) to (6) all sons of Sri S. V. Rao, residing at No. 11 Chandrika, 9th Road, Chembur, Bombay-71 and acting by their Attorney Sri S. V. S. Rao
7. Ganesh S. Rao S/o S. V. S. Rao,
No. 1708, 2nd Floor, Sector 22B, Chandigarh and represented by his acting attorney Sri S. V. S. Rao,
8. S. Venkat Rao S/o Late S. Subraya Bhat, Flat No. 5, Vasudha, 7th Cross Road, Chembur, Bombay-71.
9. S. Nagesh Rao S/o Late S. Subraya Bhat, No. 59C, Sunder Apartments, Sion-Trombay Road, Chembur, Bombay-71. No. 8 and 9 are represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
10. S. Sukumar,

11. S. Mohan.
12. S. Sudhakar,
S/o of Late Sri S. Subraya Bhat,
Bhagamandala Madikeri Taluk, Kodagu Dist.,
13. Mrs. B. Subbamma W/o Late Sri S. Subraya Bhat,
14. Miss S. Sugangala,
15. Miss S. Kalpana,
16. Mrs. Sathyavathi W/o Sri B. V. Radhakrishna,
Teacher, Devarayana Hundi, Nachanuballi,
Palya Post, Mysore Dist.
17. Mrs. Vatsala W/o Sri R. K. Narayana,
Parimala Nilaya, Gundlupet,
Mysore Dist.
18. Mrs. Vannimala W/o Sri Kumaraswamy,
Baipadithaya, Thodikana Village, Sulha Taluk,
S. K. Dist.
No. 14 to 18 all daughters of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala, Madikeri Taluk, Coorg Dist and Vendors 13 to 18 represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
19. Mrs. B. Nirmala Prabhakar
W/o Sri B. V. Prabhakar,
BEL, Jalaballi, Bangalore and
D/o Sri Subraya Bhat and rep. by her
acting attorney Shri S. V. S. Rao.

(Transferor)

- (2) Sri George Jacob S/o P. J. Jacob,
Planter, "Kainady House", Koodathai Post, Thamaiasheri, Calicut, Kerala State and now residing at 'Kainady Estate' Charambane Post, Madikeri Taluk, Kodagu Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 196/78-79 Mysore I/C Dated 10-5-1978)

90.00 Acres of the land being the eastern portion, from out of Sagu Cardamom land bearing Sy. No. 6/1 of 166.40 acres known as "Kote Malai" situated at Thannimani Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist.

Boundaries :

East : Sy. No. 10/A,
West : Remaining part of Sy. No. 6/1,
North : Sy. No. 10/A, and
South : Sy. No. 8.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th December 1978

C.R. No. 62/18392/78-79, Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 76.40 Acres of Sagu Cardamom land from out of Sy. No. 6/1 of 166, 40 acres situated at Thinnimani Village, Madikeri Taluk, Coorg District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at H.Q. Sub-Registrar, Mercara Document No. 197/78-79 Mercara I/C on 10-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. S. V. S. Rao S/o Late Sri S. Venkatramana Bhat,
2. Arvind S. Rao,
3. Vasant S. Rao,
4. Ramesh S. Rao,
5. Bhaskar S. Rao,
6. Chandrashekhar S. Rao,
Sons of Sri S. V. S. Rao, No. 1 to 7 residing at No. 11, Chandrika, 9th Road, Chembur, Bombay-71 and Nos. 2-6 are represented by their acting attorney Shri S. V. S. Rao

- 7. Ganesh S. Rao S/o S. V. S. Rao,
No. 1708, 2nd Floor, Sector 22B, Chandigarh and represented by his acting attorney Sri S. V. S. Rao,
- 8. Venkat Rao S/o S. Subraya Bhat,
Flat No. 5, Vasudha, 7th Cross Road, Chembur, Bombay-71.
- 9. S. Nagesh Rao S/o Late S. Subraya Bhat,
No. 59C, Sunder Apartments, Sion-Trombay Road, Chembur, Bombay-71. No. 8 and 9 are represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
- 10. S. Sukmara,
- 11. S. Mohan,
- 12. S. Sudhakar,
S/o of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala Madikeri Taluk, Coorg Dist.
- 13. Mrs. B. Subbamma W/o Late S. Subraya Bhat,
- 14. Miss S. Sumangala
- 15. Miss S. Kalapana,
- 16. Mrs. Sathyavathi W/o Sri B. V. Radhakrishna, Teacher, Devaravana Hubli, Nachanahalli, Palya Post, Mysore Dist.
- 17. Mrs. Vatsala W/o Sri R. K. Narayana, Parimala Nilaya, Gundlupet, Mysore Dist.
- 18. Mrs. Vanmala W/o Sri Kumaraswamy, Badipadithaya, Thodikana Village, Sullia Taluk, S. K. Dist.
No. 14 to 18 all daughters of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala, Madikeri Taluk, Coorg Dist and Vendors 13 to 18 represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
- 19. Mrs. B. Nirmala Prabhakar
W/o B. V. Prabhakar,
BEL, Jalahalli, Bangalore-13.
D/o Sri Subraya Bhat and rep. by
acting attorney Shri S. V. S. Rao.

(Transferors)

- (2) Mrs. Lalitha George W/o Sri George Jacob, "Kainad Estate", Charambiane Post, Madikeri Taluk, Coorg.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 197/78-79 Mercara I/C, Dated 10-5-78).

76.40 Acres of Sagu Cardamom land from out of Sy. No. 6/1, of 166.40 acres situated at Thappimani Village, Madikeri Taluka, Coorg Dist.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd December 1978

C.R. No. 62/19393/78-79/Acq.—Whereas, I, P. RANGANATHANI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing

No. 75, situated at Hospital Road, Balepet Cross, Bangalore-560002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 992/78-79 on 23-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. T. V. Parthasarathy Setty
S/Shri
S/o Bidadi T. Venkatachala Setty,
2. Smt. P. Jamuna W/o T. V. Parthasarathy Setty,
3. Miss T. P. Geetha,
4. Kumari T. P. Srinivasa Murthy,
5. Kumari T. P. Venkatesha Murthy,
6. Kumari T. P. Indra.

Children of
Sri T. V.
Parthasarathy
Setty

All are residing at No. 13/2, "Parvathi Nilaya", 11 Main Road, Park Road, Tulasithotam, Bangalore City. The said T. V. Parthasarathy Setty being the Father and the natural guardian of Minors vendors from 3 to 6.

(Transferor)

(2) Shri T. K. Doraiswamy
S/o P. S. Kandaswamy Mudaliar,
Raw Silk Merchant, Sri Channideswari Stores,
Sri Raghavendra Market, Revenue Road
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 992/78-79, Dated 23-6-1978)
Property bearing No. 75, Hospital Road, Balepet Cross, Bangalore-560002.

Boundaries:

North : Hospital Road,
South : House No. 111, belonging to D. Narasimha Iyengar and Municipal Lane.
East : Property bearing No. 58 and Municipal Lane.
West : Property belonging to Sri D. Narasimha Iyengar.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001(1) Shri U. L. Narayana Rao,
S/o Late Dr. U. Sunder Rao,
Advocate, No. 581, 3rd Main Road,
Sadasivanagar, Bangalore-560006
and represented by his G.P.O.A. holder
Sri R. Narayana Achar S/o Late K. R. Char,
Advocate, Kadri Road, Mangalore-575003.

(Transferor)

(2) Shri A. H. Kudroli,
S/o Sheik Ibrahim,
No. 68, Central Market,
Mangalore-575001.

(Transferee)

Bangalore-560001, the 22nd December 1978

C.R. No. 62/18562/78-79/AC Q/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Non-Agricultural house site measuring 0.33 Acres with the building bearing Door No. 15-7-403, in R.S. No. 258A, T.S. No. 242-A situated at Aryasamaj Road, 15th Bendur Ward, Kadri Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer H. Qrs. Sub-Registrar, Mangalore City Doc. No. 167/78-79 on 19-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 167/78-79, dated 19-5-1978]
Non-agricultural house site measuring 0.53 Acres along with the building bearing Door No. 15-7-403, in R.S. No. 258A, T.S. No. 242-A situated at Arya Samaj Road, 15th Bendur Ward, Kadri Village, Mangalore.

Boundaries :

North : T.S. No. 243-A,
South : T.S. No. 241,
West : T.S. No. 246 and 247 and
East : Aryasamaj Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Joti Ram s/o Shri Nanak Chand, Tanga Brahaman R/o Govindpuri (self) and attorney of Shri Ishwar Dutt s/o Gobind Ram. (Transferor)

(2) M/s. Laxmi Dass Madan Lal, 109-A, Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th November 1978

Ref. No. JDR/6/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, Land measuring 13 bighas 19 biswas situated at Gobindpuri, Tch. Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 19 biswas bearing Khata No. 52, Khatoni No. 143, Khasra Nos.

176	177	178	179	180	183	175
3	2	3	15	5—2	4—14	6
12	5—2	1—8				

situated at Gobindpuri (Jagadhari).

(Property as mentioned in the sale deed registered at Serial No. 630 of May, 1978 with the Sub-Registrar, Jagadhari)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Sidhu Ram and Siri Ram,
Sons of Shri Kudri,
R/o Kaithal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shiv Shankar Rice Mills,
Kaithal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONIPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th November 1978

Ref. No. KTL/4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 kanal 8 marlas situated at Patti Chowdhrian, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanal 8 marlas situated at Patti Chowdhrian, Kaithal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 1550 dated 30-8-1978 with the Sub-Registrar, Kaithal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Harkishan s/o Shri Gurdittamal,
Tea Stall, Subzi Mandi,
Near Gandhi Chowk, Tohana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Budhu Ram s/o Shri Gahna Ram,
Bam Merchant, Gandhi Chowk,
Tohana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. THN/5/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 63 kanal 13 marla situated at Tohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tohana in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land measuring 63 kanal 13 marla situated at Tohana.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 483 dated 8-6-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana."

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. MHM/1/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Mahem in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—456GI/78

(1) Shri Manek Baba Prakash Nath,
Chela Baba Vidya Nath
Village Bahelba, Teh. Mahem,
Now at Village Sangria,
Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Ch. Dalip Singh s/o Shri Sarup Singh and
Shri Baljit Singh S/o Shri Dalip Singh
Village Bahelba, Teh. Mahem,
Distt. Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem, Distt. Rohtak.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 325 dated 306-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Mahem."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manek Baba Prakash Nath,
Chela Baba Vidya Nath
Village Bahelba, Teh. Mahem,
Now at Village Sangria,
Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Singh, Advocate,
S/o Shri Daryao Singh.
Village Bahelba, Teh. Mahem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. MHM/2/78-79.— Whereas, I,
RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mahem in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem, Distt. Rohtak.
"Property as mentioned in sale deed registration No. 326 dated 30-6-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Mahem."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-12-1978
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1979

Ref. No. KNL/4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1211 kanal 3 marla alongwith 4 Tubewells and building etc. situated at Village Chopri Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh s/o Shri Sohan Singh
C/o Shop No. 49, Patel Cloth Market,
G.T. Road, Karnal and attorney of
2. S/Shri Kuldip Singh, Kartar Singh,
S/o Shri Sohan Singh
3. Shri Gurcharan Singh s/o Shri Amar Nath
4. Smt. Tirlochan Kaur w/o Shri Mohinder Singh
5. Smt. Gurcharan Kaur w/o Shri Ajit Singh.

(Transferors)

S/Shri
(2) 1. Krishan Lal
2. Sewa Ram
3. Daulat Ram
4. Om Parkash
5. Ved Parkash s/o Shri Krishan Lal
6. Rajinder Paul s/o Shri Sewa Ram
7. Manoj Kumar s/o Shri Daulat Ram
8. Mahesh Kumar s/o Shri Om Parkash
9. 9. Raj Kumar } Ss/o Shri Narain Dass
10. Prem Kumar } Residents of Tarori, Teh. Karnal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1211 kanal 3 marla alongwith 4 Tubewells, 4 Engines, 4 Rooms, Connection, Securities and residential house, as mentioned in the sale deed registered at serial No. 768 dated 16-5-1978 with the Sub-Registrar, Karnal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bela Rani Das w/o Sri Rashik Chandra Das, R. K. Mission Road, Dhubri, Dist. Goalpara.
(Transferor)

(2) Smt. Prova Rani Roy w/o Sri Brejendra Chandra Roy, N.S. Road, Dhubri.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 4th August 1978

Ref. No. A-188/DHU/78-79/2202-3.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 266B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 143 and P. Patta No. 214 situated at Pargana Jamira, Dhubri Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhubri on 17-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Katha 15 Lessa along with a part of R.C.C. building situated at Pargana Jamira, Dafferin Road, Ward No. 6 of Dhubri town in the District of Goalpara, Assam.

EGBERTI SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 23-8-78

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. B. Rani Das w/o Sri Rashik Chandra Das,
R. K. Mission Road, Dhubri, Dist. Goalpara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 24th August 1978

Ref. No. A-189, DIIU/78-79/2208-9.—Whereas, I,
EGBERT SINGH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Dae No. 143 and P. Patta No. 214
situated at Pargana Jamira, Dhubri Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dhubri on 17-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for which transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(2) Sri Shankar Chandra Roy s/o
Sri Brajendra Chandra Roy,
N. S. Road, Dhubri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 10 Lessa along with a part
of R.C.C. building situated at Pargana Jamira, Ward No. 6
of Dhubri town at Dafferin Road, in the District of Goalpara,
Assam.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 23-8-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 18th January 1979

Ref. No. A-205/78-79/6433.—Whereas, I, E. J. MAWLONG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 435. Dag No. 3104 and 3105 situated at Near Tinsukia Pukuri, Mouza Tinsukia, Dist. Dibrugarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 2-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shri Jiban Chandra Mukherjee
2. Shri Sushil Kumar Mukherjee
3. Shri Adhir Kumar Mukherjee
4. Shri Ajit Kumar Mukherjee
All are sons of late Jhan Ch. Mukherjee, G. N. B. Road, near Satya Narayan Press, Tinsukia (Assam).
(Transferor)

(2) 1. Shri Sudhangshu Bikash Sen,
S/o Late S. K. Sen,
Satya Narayan Press, Tinsukia (Assam).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2600 sq.ft. along with a Assam type house situated near Tinsukia Pukuri of Tinsukria Town, Mouza Tinsukia in the district of Dibrugarh, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-1-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM FINS

(1) 1. Shri Jiban Chandra Mukherjee
 2. Shri Sushil Kumar Mukherjee
 3. Shri Adhir Kumar Mukherjee
 4. Shri Ajit Kumar Mukherjee
 All are sons of late Jhan Ch. Mukherjee,
 G. N. B. Road, near Satyanarayan Press,
 Tinsukia (Assam).

(Transferor)

(2) 1. Shri Shiba Prasad Roy
 2. Shri Subhas Kumar Roy
 3. Shri Shyamal Kumar Roy
 All sons of late Khagendra Kumar Roy, Suba-
 chani Road, Tinsukia (Assam).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
 SHILLONG

Shillong, the 18th January 1979

Ref. No. A-206/TSK/78-79/78-79/6438.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 435, Dag No. 3104 and 3105 and Kutcha Patta No. 435 situated at Near Tinsukia Pukuri, Mouza Tinsukia, Dist. Dibrugarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 2-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha 17 Lessa situated near Tinsukia pukuri Mouza Tinsukia in the district of Dibrugarh, Assam

E. J. MAWLONG
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-1-1979

Seal :

FORM ITNS - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1978

Ref. No. 2/May/78. Whereas, I, O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, situated at Chatram Street, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, I, Dindigul (Document No. 249/78) on 29 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sathu Rengaswamy,
10, Halvasia Mansion, 6/2 Moira St.,
Calcutta-17
by power agent—
Shri S. Jayachandran,
c/o Shri A. Swaminathan,
20, Chatram Street,
Dindigul.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vijayalakshmi
Prop. Vijaya Electric Stores,
182, East Car Street,
Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land and Buildings situated at No. 20, Chatram Street Dindigul.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-Oct 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri D. Venkata Rao;
 2. Smt. Sarojini;
 3. Smt. E. Radha Bai;
 4. Smt. G. Rajalakshmi; &
 5. Shri V. T. Sankara Rao,
 No. 21, Dr. Nair Road,
 T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Rajan Trading Co.,
 84/85, Sembudoss St. (1st Floor),
 Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 23/May/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318, situated at Linghi Chetty Street, George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras North (Document No. 1606/78) on 6th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 318, Linghi Chetty St., George Town, Madras-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Madras-6.

Date : 3-11-1978,
 Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 19—456GL/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 36/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2, situated at Taylors Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 449/78) on 19 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Bhupinder Kaur,
W/o Shri Inderpal Singh,
14A(1), Venkatachala Mudali Street,
Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vanithamani,
W/o. Shri A. Kesavan,
35, Veerabadra Achari Street,
Pudupet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and buildings at 2/2, Taylors Road, Kilpauk, Madras-10.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 37/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2, situated at Taylors' Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 450/78) on 19 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bhupinder Kaur,
W/o, Shri Inderpal Singh,
14A(1), Venkatachala Mudali Street,
Purasawalkam,
Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. Kanthimathi,
W/o, Shri Mahadevan,
60, Jamedar Street,
New Town,
Vaniyambadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and buildings at No. 2/2, Taylors Road, Kilpauk, Madras-10.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1978

Ref. No. 19/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 62/IB1, situated at Yercaud Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Yercaud (Document No. 90/78) on 26 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mr. Donald Cyril Wagstaff Hellein,
S/o. Mr. John Xavier,
"Sunshine Cottage",
Yercaud, Salem District.

(Transferor)

(2) 1. Smt. SP Theivanai Achi,
W/o KN Subramanian Chettiar;
2. Smt. KN Visalakshi,
W/o. SP Kannappa Chettiar,
(Aramanaisiruvayal, Ramnad)
Yercaud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

15 acres in a total area of 31.51 acres of Coffee Estate, situated at Yercaud Village, Salem District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.

Date : 8-11-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1978

Ref. No. 20/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. — situated at Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Document No. 91/78) on 26-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mr. Donald Cyril Wagstaff Hellein, S/o John Xavier, "Sunshine Cottage", Yercaud, Salem District.

(Transferor)

(2) 1. Shri KN Subramanian Chettiar, S/o. Kannappa Chettiar; 2. Shri KN SP Kannappa Chettiar, S/o. Shri KN Subramanian Chettiar, Aranmanaisiruvayal, Ramanathapuram District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

16.51 acres of Coffee Estate land in a total area of 31.51 acres situate at Yercaud.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 10th November 1978

Ref. No. 13/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59/60, situated at Moore Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras (Document No. 1672/78) on 15th May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. M. Mohammed Hussain Saheb,
S/or, Late Haji Md. Mohideen Sahib,
113, P. V. Koil Street,
Royapuram, Madras 600 013.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkataramana Achar,
S/o, K. Madhavachar,
1-A/3, Taylors Road,
Kilpauk, Madras 600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 59/60, Moore Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 10-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th November 1978

Ref. No. 33/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Marshalls Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Document No. 394/78) on 4th May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Smt. K. V. A. Rukaiya Bivi,
W/o. S. M. S. Sathak Abdul Cadar,
West Street,
Kilakkrai, Rannad District.

(Transferor)

(2) Smt. P. M. Rajalakshmi,
D/o. P. R. Madhavan,
79, Seethamma Colony 6th Street,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4820 sq. ft. of land & super-structure thereon situate at No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 30-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th November 1978

Ref. No. 34/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Marshalls Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 395/78) on 4-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Smt. K. V. A. Rukaiya Bivil,
W/o. S. M. S. Sathak Abdul Cadar,
West Street,
Kilakkalai, Ramnad District.

(Transferor)

(2) Smt. P. M. Sridevi,
D/o. P. R. Madhavan,
79, Seethamma Colony 6th Street,
Madras.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4820 Sq. ft. of land & superstructure situate at No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 30-11-1978.

Seal :

FORM I(TNS)

(1) Shri S. G. Loganathan,
S/o S. R. Govindasamy Naidu,
Kaveripattinam.

(Transferor)

(2) Shri N. Parasuraman,
S/o Irusanarayana Chetty,
Kaveripattinam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1978

Ref. No. 11/June/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Errahalli Village, Kaveripattinam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Kaveripattinam (Document No. 821/78) on 12 June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at Errahalli Village, Kaveripattinam, in Survey No. 520/A1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—456GI/78

Date : 01-12-1978.

Seal :

FORM TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1978

Ref. No. 31/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Velayudham Chetty Street, Ambur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambur (Document No. 800/78) on 15-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. S. Varadaraj Chetty,
S/o D. N. Sivalinga Chetty,
5, Sharoff Velayutha Chetty St.,
Ambur.

(Transferor)

(2) Smt. Gowarpathi Bai,
W/o Sreelal Mutha,
4, Sharoff Velayutha Chetty St.,
Ambur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Buildings situated at No. 4, Velayudham Chetty Street, Ambur.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 01-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Fathima Begum,
First W/o Shri S. H. Yacoob,
No. 9, Park Street,
Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri B. Gopalakrishnan,
S/o. Shri K. L. K. Balavenkataseetharama Chettiar,
12, Arunachala Chetty St.,
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd December 1978

Ref. No. 18/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8, situated at Balaji Nagar, Salem-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO J, Salem (Document No. 1408/73) on 31-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

8909 Sft. of land in Plot No. 4 & buildings thereon at Balaji Nagar, Salem-4.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 02-12-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri N. D. M. Mustafakamal,
No. 5, Annasamy Naicken Street,
Madras 600 002.

(Transferor)

(2) 1. Smt. D. S. Jamrooth Begum,
w/o D. Seycd Ibrahim,
Mukanamalaipatti,
Pudukkottai District.

(2) 2. Smt. D. K. Ameena Beeva,
W/o. D. Kalifullah,
No. 4110, South 3rd Street,
Pudukkottai, Pudukkottai District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1978

Ref. No. 22/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Acharappan Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Madras North (Document No 1644/78) on 9-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1388 Sq. ft. of land & 1200 Sq. ft. of built up area therein situate at No. 5, Acharappan Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 8-12-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Chidambaram,
'Riviera',
Madras-85.

(Transferor)

(2) M/s. Southern Petro Chemical
Industrial Corporation Ltd.,
99, Armenian Street,
Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th December 1978

Ref. No. 44/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 25/15-4A, situated at 'Meena Vilas', Chettiar Road, Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO-I, Madras North, Madras (Document No. 1091/78, May, 1978) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in S. No. 25/15-4A extending 1 acre and 86 cents known as 'Meenu Vilas', Chettiar Road, Kodaikanal, Madurai District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 19-12-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) K. Sadagopan, S/o R. Kuppuswamy,
67, Mall Road, Komptee, Nagpur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1979

Ref. No. 6229.—Whereas, I T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-6, IIInd Avenue situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 508/78) on May 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at S-6, IIInd Avenue, Shastri Nagar, Adyar, Madras-20.
(Doc. No. 508/78)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ranveer S/o Bundi,
R/o Vill. Narangpur, P.O. Khas,
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Pirthi W/o Hansha Singh,
R/o Vill. Jataula, Parg. Kithaur,
P.O. Narangpur, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1824-A/MRT/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mawana on 12-5-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS.—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at village Muzaffarpur Khundi, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-78.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

Shri Nyadar S/o Kale,
R/o Vill. Shamaspur,
Parg. Kithaur, Teh. Mawana,
Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Brahm Singh & Peetam Singh S/o Khacher Singh, Rameshpal S/o Kiran Singh, Subhash S/o Chandu Singh, Ali R/o Vill. Shamaspur, P.O. Bahsuman, Parg. Hastinapur, Teh. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1836-A/Meerut/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mawana on 11-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at Vill. Tajpura, Parg. Hastinapur, Teh. Mawana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-9-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/134/Chibramau/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

21—456GI/78

(1) S/Shri Radhey Shyam & Ghanshyam Sons of Rameshwar Dayal, R/o Vill. Naugai, Parg. Chibramau, Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

Shri Vimlesh Chand S/o Lalta Prasad and Ram Prakash S/o Baladeen Dubey and Sadanand S/o Ram Bharosey, R/o Vill. Naugai, Parg. Chibramau, Distt. Farrukhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at Vill. Baugai, Tch. Chibramau, District Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,700/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narain Dass s/o Hesanand,
r/o 101/71, Talaq Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Narain Dass s/o Bhikhnand and
Ganga Ram son of Sadhumal,
R/o 123/520, Fazalganj, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/54/KPR/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 800 sq. yds. with compound will bearing No. 3, Block 'K' scheme 1, Govind Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 5,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/Agra/105/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Chand Nara'n Mathur, Harish Narain Mathur, Prakash Narain Mathur, Rajendra Narain Sherry, Guru Pratap Narain Sherry, Hanuman Narain Mathur, Rejesh Narain Mathur, Kundeep Narain Mathur and Padep Narain Mathur all R/o Chhili Int Road, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Maheshwari s/o Kapoor Chand Maheshwari r/o Cantiknana, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and building bearing No. 17/254 old (new No. 17/254-A), situated at Chhili Int Road, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-9-78.

Seal :

FORM ITNC.

(1) Shri Mahendra Singh, R/o 2,
Sir P. C. Benerji Road,
Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Agrawal,
3/50, Nawabganj, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/44/KPR/78-79—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 13-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

Immovable property land and building bearing No. 3-A/2, situated at Azadnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 95,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-9-78.
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Shri Chachakki Lal S/o Puttu Lal.
R/o Nawalpura, Vill. Larkhaur.
Distt. Etawah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S/Shri Angan Singh & Kunwar Bahadur Singh
Sons of Manohar Singh,
R/o Vill. Jhingupur, Distt. Etawah.

(Transferee)

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/144/Etawah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDEULE situated at AS PER SCHEDEULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of agricultural land measuring 21.63 Acre situated at Vill. Haivara, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,750/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 28-9-78.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Narain S/o Pyare Lal,
R/o Nagia Rampura, Bishnupur Lohrai,
P.O. Basrechar, Distt. Etawah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S. Shri Malkhan Singh, Babu Singh,
Shobran Singh sons of Jiwari Singh,
Gopal Singh & Brijpal Singh (Minors)
Sons of Sudhakar Singh, under
Guardianship of Smt. Usha Kiran, Mother,
R/o Chatti, Vill. Kharisar,
P.O. Basrechar,
Dist. Etawah.

(Transferee)

Kanpur, the 28th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq/64/Etawah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEUDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEUDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 5.10 Acre, situated at Vill. Bishnupur Lohrai, Distt. Etawah transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-9-78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Virendra Swaroop,
S/o Vijendra Swaroop,
R/o 15/96, Civil Lines,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Kisnaga S/o
Maharaj Kisnaga,
R/o 15/96, Civil Lines,
Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/56/Kanpur/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property bearing No. 15/264, Civil Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 72,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-9-78.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Meharban S/o Shri Allaraji, R/o
Vill. Utawara, Post-Khair, Aligarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jakir Ali and Jafar Ali S/o
Shri Bakar Ali, R/o Barka Khair, Aligarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 82-Acq./Khair/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khair, Agra on 24-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 15 Bighas 18 Biswa and 10 Biswansi situated at Utwara Khair, Aligarh transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/- as against fair market value of Rs. 72,000/-

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS-

(1) Shri Durga Prasad s/o Shri Hira Lal,
R/o Vill. Lalau, Ferozabad, District-Agra,
(Transferor)

(2) Shrimati Chandra Devi W/o Shri Arjun Singh,
Shri Aneg Singh S/o Shri Pitamber Singh,
R/o Vill. Daulatpur, Ferozabad, Distt. Agra.
(Transferee)

(3) As in 1 above. (Persons in occupation of the
property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1978

Ref. No. 197/Acq/Ferozabad/78-79 —Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 27-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—456GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Lalau, Ferozabad, District Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 43,000/- as against the fair market value of Rs. 80,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1978

Ref. No. 196/Acq./Ferozabad/78-79/4377.—Whereas, I,

VIJAY BHARGAV,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 10-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Phool Chand S/o Shri Pyare Lal, R/o Attawala Kasba, Ferozabad and Smt. Madhu Mittal W/o Shri Pramod Kumar and others.
(Transferor)

(2) Sarvodaya Shahkari Grah Nirman Samiti Ltd., Ferozabad through Shri Hanuman Prasad Garg S/o Shri Ambika Prasad, Bagh Chhiggamal, Agra Gate, Ferozabad.
(Transferee)

(3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4141 Sq. Ft. transferred for an apparent consideration of Rs. 41,415/- as against fair market value of Rs. 95,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 2769D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1978

Ref. No. 195/Acq./Ferozabad/78 79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ferozabad on 4-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narain S/o Shri Ram Ratan Sharma, R/o Vill. Akbarpur, Nagau, Ferozabad. (Transferor)
- (2) S/Shri Ashok Kumar, Arun Kumar & others sons of Shri Chhotey Lal Sharma, R/o Vill. Akbarpur, Nagau, Ferozabad. (Transferee)
- (3) Sri Narain. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/- as against fair market value of Rs. 60,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1978

Ref. No. 84/Acq/Khair/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khair, Aligarh on 31-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ranbir, Chandra Pal sons of Shri Ram Singh R/o Vill. Bajota, P.O. Bajota, Distt. Aligarh. (Transferor)
- (2) S/Shri Amichandra, Manohar Lal Sharma S/o Shri Shiv Lal R/o Vill. Bajota, P.O. Bajota, Distt. Aligarh. (Transferee)
- (3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. & P.O. Bajota, District Aligarh transferred for an apparent consideration of Rs. 28,000/- an against fair market value of Rs. 60,000/- reported by the valuation officer.

VIJAY BHARGAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-12-1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Ram Prakash & Dayanand sons of Sri Sheo-ram Das Vill. Chitmona Post Syana, Bulandshahar.
(Transferor)

(2) Shri Baleshwar s/o Kalicharan vill. Thal Inayatpur Post Syana, Bulandshahr.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1978

Ref. No. 292-A/B.Shahar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 29-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property of agricultural land situated at Vill. Chitmona Pargana Syana Distt. Bulandshahr transferred for an apparent consideration of Rs. 45,750/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-12-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Lakhi and Sohan Lal sons of Sri Dal Chand Saini r/o Mohalla Kot, Teh, Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ashok Kumar and Rakesh Kumar sons of Sri Shyam Lal Saini r/o Mohalla Kot, Teh, Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1978

Ref. No. 304-A/B/Shahar/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja, Bulandshahar on 17-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property of agricultural land at Teh. Khurja, Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

Date : 22-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd December 1978

Ref. No. 356-A/D.Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 10-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Satyavati Gupta,
28-C Chakrata Road,
Yamuna Colony, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o Sri Gattu Singh and
Raghbir Singh s/o Sri Gyan Singh
r/o vill. Sarsawa Tah. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 28-C, Chakrata Road, Yamuna Colony, Dehradun for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-12-1978.

Seal :

FORM ITNS . . .

(1) Shri Lal Singh, S/o Shri Ganga Sahai,
R/o Vill : Ataura, Post Mowana,
Parg. Hastinapur, Teh. Mowana,
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sharan, s/o Shri Kale Singh,
r/o Vill. Khareki Jadi, Ram Singh, Shyam Singh and Sunehra and Shyampati, sons of Shri Lal Singh, r/o Vill : Ataura, Parg. Hastinapur, Post Mowana, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1979

Ref. No. 258-A/Mrt/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mowana on 16-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill : Ataura, Parg. Hastinapur, Teh. Mowana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 43,400/-, stamp value of which is Rs. 90,113/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Premwati, Widow of Shri Tikaram, R/o Vill. & Post Parikchitgarh, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahesh Chand & Naresh Chand, sons of Shri Jagwant Singh Tyagi, and Shri Shivcharan Sharma, s/o Shri Harswaroop Sharma, r/o Vill. Rajpur, Majra Parikchitgarh, Distt. Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 4th January 1979

Ref. No. 367-A/Mrt/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mowana on 11-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Parikchit Garh, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-, stamp value of which is Rs. 1,22,087/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

23—456GI/78

Date : 4th Jan., 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mahadevi, W/o Shri Chhajju Singh, and
 Smt. Kishan Devi, W/o Shri Ram Swaroop,
 R/o Vill : Bisana, Teh. Hathras, Distt. Aligarh,
 (Transferor)

(2) Smt. Gulab Devi, W/o Shri Ram Saran, and
 Smt. Kiran Devi, W/o Shri Malkhan Singh,
 R/o Bisana, Post Bisana, Teh. Hathras, Aligarh.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1979

Ref. No. 66/Acq/Hathras/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hathras on 5-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Bisana, Tehsil Hathras, transferred for apparent consideration of Rs. 27,000/-, stamp value of which is Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1979

Ref. No. 139/Acq/Pukhrayan/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pukhrayan on 16-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Chhiddi, S/o Shri Her Prasad, R/o Vill: Budhera, Derapur, Parg. Bhognipur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Swaroop, Babu Ram & Ram Sewak, sons of Shri Ram Sanchi, R/o Vill: Budhera, Derapur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill: Budhera, Derapur, Parg. Bhognipur, Distt. Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 44,000/-, stamp duty of which is Rs. 88,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-79.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Snehlata Bai, W/o Shri Bhupal Singh, Dhariwal, R/o Bhilwara at present Manorama Ganj, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Pradip Kumar Gaya Prasad Jain, resident of 92 Janki Nagar, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1211/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 5-A, Area 40'×180' Victory State Coloney, 21, Residency Area, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-12-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1212/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Rao Matkar and (2) Smt. Neela Suri W/o Shri Raman Kumar Suri residents of 3, Residency area, A. B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan S/o Bhondu Ramji Agrawal, R/o 419, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

(3) Tenants. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-12-1978.

Seal

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Govind Rao Matkar; and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramakumar Suri, R/o 3, Residency Area, A. B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh, S/o Shri Laxmi Narain, R/o 197, Tilak Path, Indore.

(Transferee)

* (3) Tenants. (Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1213/78-79.—Whereas, I, B. L. Rao, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10th May, 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property ~~as aforesaid exceeds the apparent~~ consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Date : 28-12-1978.

Seal:

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Matkar and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramankumar Suri, R/o 3, Residency Area, A. B. Road, Indore. (Transferor)

(Shri Shyamsunder, S/o Shri Laxminarain Agarwal, R/o 197, Tilak Path, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1214/78-79.—Whereas, I,

B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 10th May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-12-1978.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1215/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Rao Matkar and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramankumar Suri, R/o 3, Residency Area, A.B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas, S/o Shri Brij Mohan Agrawal, R/o 419, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

(3) Tenants. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-12-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Vinay Bhaskar,
S/o Shri T. N. Bhaskar
R/o 659, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Jaswant Rai Handa,
S/o Late Shri Dheramal Handa,
R/o Vill. & P.O. Ukwa, Distt. Balaghat.
(Transferee)

(3) 1. Smt. Kamla Devi Uppal,
W/o Late Shri C. L. Uppal.
2. Shri R. K. Uppal,
S/o Late Shri C. L. Uppal
3. Shri J. M. Uppal,
S/o Late Shri C. L. Uppal
[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1216/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 6th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 650/651, Napier Town, Jabalpur.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1217/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21st June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Maharakshan Kaul,
S/o Shri Nandlalji Kaul,
R/o 7/1, Ushaganj, Indore.

(Transferors)

(2) Shri Shyamsunder Dwivedi, S/o
Late Shri Hiralalji Dwivedi, R/o
7/1, Ushaganj, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land situated at 7/1, Ushaganj, Indore measuring 4000 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date: 28-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shimla Devi W/o
Shri Ramesh Chandraji Janwasia, R/o
323, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Lalaramji, S/o
Shri Budhmal Chowrasia, R/o
15/1, Krishnapura, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1218/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building bearing No. 22/2 situated at Devi Ahilya Marg, Jail Road, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1219/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 17th June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishorilal Surajmal,
C/o Ms. Hazarilal Kishorilal,
68, Jawahar Marg, Dhar.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Kumar,
S/o Shri Nathulalji Sanu,
R/o Osanbagh, Kannod Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double-storeyed house bearing No. 188, Ward No. 7, Bakhtawarsingh Marg, Dhar.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balkishan S/o
Shri Laxmandas, R/o
14/1 Sakkar Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chandrakant Manilal Parikh
R/o 56, Ballabh Nagar, Indore.
2. Shri Sureshchand Sumanlal Chudgarh,
R/o 74, Ballabh Nagar, Indore.
3. Shri Pankajkumar Sumanlal Chudgarh,
84, Ballagh Nagar, Indore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1220/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 7th July, 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 20/1, Siyaganj, Main Road, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1221/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. land with bldg. situated at Rewa (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rewa on 26th July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Pawandas,
S/o Shri Hansraj Sindhi.
2. Shri Pritamdas Sindhi,
both R/o Mohalla Dodhar, P.O. Rewa.
(Transferors)

(2) 1. Shri Pushpraj Singh (Minor),
S/o Shri Tirathraj Singh
2. Smt. Urmila Devi,
W/o Shri Tirathraj Singh,
R/o Gram, Sidhi, Teh. Gopat Banas,
Distt. Sidhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building known as Pushparaj Hotel, bearing No. 1/269 situated on plot No. 933 and 935 near Vikram pul at mohalla Dhodhar, Rewa.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th January 1979

Ref. No. J.A.C.Acq|I/S.R.III/455/May/1978-79.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26 Block No. 172 situated at Jor Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Safeway Enterprises Private Ltd., Through its Director Shri Mahender Kumar Gupta, R/o 1170 Kucha Mahajini, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi Kutty Pillai
W/o Late Dr. P. P. Pillai,
R/o L-1, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Perpetual Lease Rights of Plot of land admeasuring 1666.66 Sq. Yds. bearing Plot No. 26 situated in Block 172 with building standing thereon known as 26 Jor Bagh, New Delhi together with all Fixture and Fittings alongwith all filtered and unfiltered water connection No. 815270 and 4009 respectively and also domestic light and power electric connection No. K-56089-L and K-56090-P and bounded as under :

North : By Lodhi Road,
South : By Service Road,
West : Plot No. 25 Block No. 172,
East : Main Road,

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, -I,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PATNA

Patna, the 28th December 1978

Ref. No. III-297/Acq/78-79.—Whereas I. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. old Municipality Holding No. 599, 60, M.S. Holding No. 147 M.S. Plot No. 267 Ward No. 5, of Ranchi Municipal Corporation, situated at Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ranchi on 19-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarla Prabha Bajpai,
W/o Late A. T. Bajpai & others
At & P.O. Ranchi, Dist. Ranchi.
(Transferor)

(2) M/s. Kashmir Vastralaya, Through Shri Kashmir Lal Malhotra,
At & P.O. Ranchi, Dist. Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Katha 10 Chatak land with building bearing Municipal Survey Holding No. 147, M.S. Plot No. 267, Ward No. 5, situated at Ranchi described in deed No. 4626 dated 19-5-1978 registered with the D.S.R., Ranchi.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna,
Bihar

Date : 28-12-1978

Seal :